हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-259, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 04 मार्च 2025

लेखपालों द्वारा अभद्रता के मामले में श्रमजीवी पत्रकार ...02

इंस्टाग्राम पर चैट कर शादी का झांसा देने वाला गिरफ्तार...06

सरकार ने दिया शिक्षकों को तोहफा, गंभीर रोग होने पर मिलेगी एक लाख की मदद

बेटी की शादी पर भी मिलेंगे पैसे

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के राजकीय माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान कोष की ओर से दी जाने वाली सहायता राशि में संशोधन किया गया है। इसके तहत मृत शिक्षकों की बेटियों के विवाह के लिए आर्थिक अनुदान राशि दस हजार से बढ़ाकर एक लाख और गंभीर रोग से ग्रस्त शिक्षक को 30 हजार की जगह एक लाख की आर्थिक मदद दी जाएगी। शासन ने इसके लिए राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान की नियमावली में संशोधन कर दिया है। इसके तहत गंभीर रोग से ग्रस्त शिक्षकों के प्रकरण पर मंत्री के अनुमोदन से एक सप्ताह में तत्काल 50 हजार की सहायता दी जाएगी। इसके बाद विशेष परिस्थितियों में अतिरिक्त सहायता राशि भी प्रदान की जाएगी। इसके लिए आवेदक को सक्षम अधिकारी का प्रमाणपत्र देना होगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि ऐसे शिक्षकों व उनके आश्रितों की सहायता के लिए आवेदनपत्र ऑनलाइन लिए जाएंगे। इसके लिए एक पोर्टल बनाया जाएगा। इस पर आने वाले आवेदन को एक निर्धारित समय में निस्तारित करना होगा। इसके लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया जाएगा। इसी क्रम में कक्षा एक से आठ तक के बच्चों से झंडा शुल्क दो रुपये के स्थान पर पांच रुपये और कक्षा नौ से 12 के छात्रों से 10 रुपये सहयोग राशि ली जाएगी। दीपक कुमार ने यह भी कहा है कि गंभीर रोग से ग्रस्त शिक्षकों की चिकित्सीय सहायता व उनके आश्रित बेटियों के विकास के लिए दी जाने वाली सहायता राशि के लिए कोष बढ़ाना भी जरूरी है।

इसके तहत शिक्षकों से शिक्षक दिवस पर ली जाने वाली सहयोग राशि को 100 रुपये किए जाने पर निर्णय शिक्षक संगठनों से वार्ता के बाद लिया जाएगा। वहीं प्रकोष्ठ के संचालन के लिए सहायक सचिव, लेखाकार, कंप्यूटर सहायक व परिचारक पद पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मानदेय पर रखा जाएगा।

आईआरसीटीसी और आईआरएफसी को नवरत्न का दर्जा मिला

पेटीएम ने फॉरेन इन्वेस्टमेंट गाइडलाइंस का उल्लंघन किया

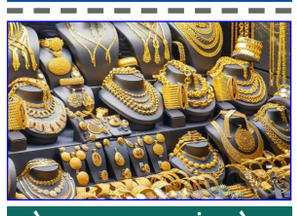

सोना 264 रुपए महंगा होकर 85,320 प्रति 10 ग्राम हुआ

संक्षिप्त समाचार

तुरंत बच्चे पैदा करें, नवविवाहितों से मुख्यमंत्री ने की अपील

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने परिसीमन योजना को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए नवविवाहितों से एक अनोखी अपील की है। उन्होंने कहा कि वे जल्द से जल्द बच्चे पैदा करें और उन्हें अच्छे तमिल नाम दें। स्टालिन का यह बयान उस वक्त आया है जब तमिलनाडु में परिसीमन और तीन-भाषा नीति को लेकर राजनीति गरमा गई है। तमिलनाडु के नागपट्टिनम में डीएमके जिला सचिव के विवाह समारोह में सीएम स्टालिन ने कहा कि मैं पहले नवविवाहितों से कहता था कि वे अपनी सुविधा के अनुसार परिवार बढ़ाएं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। केंद्र सरकार परिसीमन जैसी नीतियां लागू करने की योजना बना रही है, जो तमिलनाडु के लिए नुकसानदायक हो सकती हैं।

पीएम मोदी का गुजरात दौरा, गिर में शेर देखने पहुंचे

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के गुजरात दौरे पर हैं। वर्ल्ड वाइल्डलाइफडे के मौके पर सोमवार सुबह वे गिर नेशनल पार्क में एशियाटिक शेरों को देखने पहुंचे। उन्होंने फोटोग्राफी भी की। पीएम के गिर पहुंचते ही वहां मोदी-मोदी के नारे लगे। मोदी रात में सासण में रुके थे। गिर के सिंह सदन से लौटने के बाद मोदी नेशनल बोर्ड ऑफ वाइल्ड लाइफ (एनबीडब्लसूएल) बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

इस बैठक में वन्यजीवों से संबंधित राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा होगी। इसके बाद राजकोट में कई प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करने के बाद दिल्ली रवाना हो गए। मोदी ने रविवार को सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की थी। इससे पहले वे वनतारा गए थे। जामनगर स्थित वनतारा पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र है। इसकी देखरेख मुकेश अंबानी के बेटे अनंत करते हैं।

देश के विकास का स्तर उसकी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में झलकता है: राष्ट्रपति मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि किसी भी देश के विकास का स्तर उसकी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में झलकता है। राष्ट्रपति ने सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में दो दिन के विजिटर कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति 184 केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों की विजिटर यानी कुलाध्यक्ष हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों से कहा कि भारत को ज्ञान अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य को हासिल करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ शोध पर भी अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने बहुत अच्छे उद्देश्य से राष्ट्रीय अनुसंधान कोष की स्थापना की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उच्च शिक्षा संस्थान इस महत्वपूर्ण पहल का अच्छा उपयोग करेंगे और शोध को प्रोत्साहित करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि उच्च शिक्षा समुदाय की महत्वाकांक्षा यह होनी चाहिए कि संस्थानों के शोधकर्ताओं को विश्व स्तर पर मान्यता मिले, संस्थानों के पेटेंट दुनिया में बदलाव ला सकें और विकसित देशों के छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत को पसंदीदा गंतव्य के रूप में चुनें। उन्होंने कहा कि भारत के छात्र अपनी प्रतिभा से विश्व के अग्रणी शिक्षण संस्थानों और विकसित अर्थव्यवस्थाओं को समृद्ध करते हैं। उन्होंने देश में उनकी प्रतिभा का उपयोग करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रदेश में तीन पीसीएस अधिकारियों के तबादले, बदले गए लखीमपुर और बाराबंकी के एसडीएम

लखनऊ। नियुक्ति विभाग ने सोमवार को तीन पीसीएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव कर दिया है। आदित्य कुमार प्रजापति को सचिव विकास प्राधिकरण मुजफ्फरनगर से एडीएम (वित्त एवं राजस्व) प्रतापगढ़, कुंवर बहादुर सिंह एसडीएम बिजनौर से सचिव विकास प्राधिकरण मुजफ्फरनगर और कार्तिकेय सिंह एसडीएम लखीमपुर खीरी से एसडीएम बाराबंकी बनाए गए हैं। निविदा में विलंब होने के मामले में मुख्य अभियंता राज आलोक और बीके चंदोला को चार्जशीट दिया गया है, जबकि संबंधित क्षेत्र के अधिशासी अभियंता और अवर अभियंता को निलंबित करने का आदेश दिया है। पावर कार्पोरेशन के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार गोयल ने विभिन्न कार्यों की थर्ड पार्टी निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान ट्रांसमिशन कार्यो की थर्ड पार्टी निरीक्षण के लिए टेंडर जारी करने में बिलंब करने पर मुख्य अभियंता राज आलोक एवं नोएडा के सेक्टर 115 में स्थित ट्रांसमिशन के 132 केवी सब स्टेशन में कराए गए सिविल कार्यों की खराब गुणवत्ता पर मुख्य अभियंता सिविल बीके चंदोला को चार्जशीट देने का आदेश दिया है।

इलाहाबादिया को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी पॉडकास्ट फिर शुरू करने की अनुमति

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने विवादित यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया को राहत देते हुए नैतिकता और शालीनता के सामान्य मानकों का पालन करने की शर्तों के साथ अपना पॉडकास्ट द रणवीर शो फिर से शुरू करने की सोमवार को अनुमति दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने इलाहाबादिया की याचिका पर यह आदेश जारी किया। इलाहाबादिया पर इंडियाज गॉट लैटेंट के एक एपिसोड के दौरान उनके और संबंधित शो के अन्य जजों द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणियों के कारण देश भर में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इससे पहले अदालत ने उन्हें इस शर्त के साथ गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया था कि वह किसी भी शो में शामिल नहीं होंगे। हालांकि, हालिया सुनवाई के दौरान, इलाहाबादिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता अभिनव चंद्रचूड़ ने तर्क दिया कि यह प्रतिबंध न केवल उनके मुवक्किल की आजीविका को प्रभावित कर रहा है, बल्कि लगभग 280 कर्मचारियों के रोजगार को भी प्रभावित कर रहा है।

इन चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, न्यायालय ने अपने आदेश में संशोधन करते हुए अल्लाहबादिया को अपना पॉडकास्ट फिर से शुरू करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने इस शर्त के साथ यह राहत दी कि शो में अश्लील भाषा शामिल नहीं होनी चाहिए। न्यायालय ने कहा, फिलहाल, याचिकाकर्ता को किसी भी शो को प्रसारित करने से रोक दिया गया है।

कैग रिपोर्ट में दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में गंभीर अनियमितताओं का खुलासा: विजेंद्र

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि लोक स्वास्थ्य अवसंरचना एवं स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर सोमवार को विस्तृत चर्चा की गई जिसमें जिसमें दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में कई गंभीर चूक और अनियमितताओं को उजागर किया गया है। श्री गुप्ता ने कैग रिपोर्ट पर सदन में चर्चा के बाद कहा कि यह रिपोर्ट 28 फरवरी को सदन में प्रस्तुत की गई थी, जिसमें दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में कई गंभीर चूक और अनियमितताओं को उजागर किया गया है। कैग द्वारा किए गए इस लेखा परीक्षण में वर्ष 2016-17 से 2021-22 की अवधि को कवर किया गया, जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण कमियों और अनियमितताओं का उल्लेख किया गया है।

सैनिकों के कल्याण के लिए खुल कर योगदान दें: राजनाथ

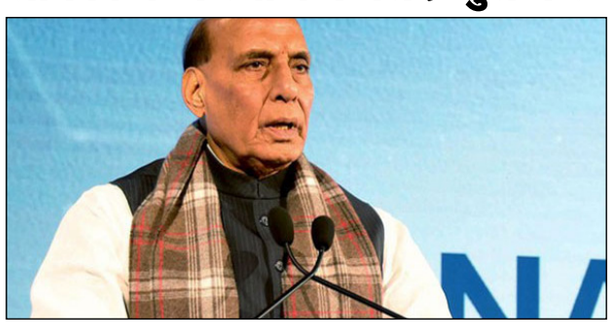

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए पूरे दिल से योगदान देने का आह्वान करते हुए इसे प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय कर्तव्य बताया है। श्री सिंह ने सोमवार को यहां सशस्त्र सेना झंडा दिवस कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सैनिक हमेशा कठिन परिस्थितियों में सीमाओं पर दृढ़, सतर्क और तैयार रहते हैं ताकि देश को सभी प्रकार के खतरों से साहस और तत्परता से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और सैनिकों तथा उनके परिवारों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन यह राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है कि वह आगे आए और हर संभव तरीके से उनका समर्थन करे। श्री सिंह ने जोर देकर कहा कि सीएसआर 2 प्रतिशत योगदान के बारे में नहीं है यह बहादुर सैनिकों और उनके आश्रितों के साथ दिल से दिल का जुड़ाव है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुखों से कहा कि आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि कल जब आपकी वास्तविक बैलेंस शीट तैयार हो, तो उसमें देनदारियों की तुलना में संतुष्टि और खुशी की संपत्ति अधिक हो। रक्षा मंत्री ने रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि सभी हितधारकों के ठोस प्रयासों से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ भारत 2027 तक दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना लेगा। उन्होंने सैनिक कल्याण के लिए उदार योगदान करने वाले कॉर्पोरेट घरानों की सराहना की और इस अवसर पर शीर्ष सीएसआर दाताओं को सम्मानित किया। रक्षा मंत्रालय का भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग युद्ध विधवाओं, शहीद सैनिकों के आश्रितों और विकलांगों सहित पूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए काम कर रहा है। इसके तहत व्यक्तिगत जरूरतों जैसे कि गरीबी अनुदान, बच्चों की शिक्षा अनुदान, अंतिम संस्कार अनुदान, चिकित्सा अनुदान और अनाथ/विकलांग बच्चों के लिए अनुदान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

जुमलेबाजी नहीं करता जो कहूंगा वो करके दिखाऊंगा: तेजस्वी

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि वह जुमलेबाजी नहीं करते हैं और जो कहेंगे उसे कर के दिखायेंगे। श्री यादव ने सोमवार को बजट पेश होने से पहले श्री कुमार पर तंज कसा है। श्री यादव ने एक्स पर लिखा,मैं 36 साल का हूं, 75 साल का नही। जुमलेबाजी नहीं करता, मुझे लंबी राजनीति करनी है, जो कहूंगा वो करके दिखाऊंगा। अभी तक जो कहा है वो किया है।मेरी उम्र भले ही कच्ची है लेकिन जुबान पक्की है। नेता प्रतिपक्ष ने एक अन्य पोस्ट में श्री कुमार पर हमला करते हुये लिखा, काम-धाम से कोई मतलब है जी। जनता को भ्रमित करने के लिए 2005 से पहले वाला घिसा-घिसाया-आजमाया डायलॉग और घिसा-पिटा ड्रामा फिर कर देना है।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने दिया जवाब, निजी स्कूलों की शुल्क प्रतिपूर्ति में वृद्धि का कोई विचार नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी विधानसभा का बजट सत्र जारी है। सोमवार को सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही प्रारंभ हुई जिसमें सत्ता पक्ष के नेताओं ने विपक्ष के उठाए गए सवालों के जवाब दिए। एक सवाल के जवाब में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि आरटीई में निजी स्कूलों की शुल्क प्रतिपूर्ति में वृद्धि का सरकार का कोई विचार नहीं है। वहीं, दोपहर 3.15 बजे तक के लिए विधान परिषद की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। विधान परिषद की कार्यवाही में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब तक भाजपा की डबल इंजन की सरकार है, कोई माई का लाल आरक्षण नहीं छीन सकता है। वे सदन में सपा सदस्यों की ओर से निजीकरण के खिलाफ लाए गए कार्यस्थगन प्रस्ताव पर बोल रहे थे। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव का कहना था कि बिजली विभाग के निजीकरण के जरिये सरकार आरक्षण को खत्म करने की साजिश रच रही है। वहीं, सपा के डॉ. मान सिंह यादव ने कहा कि निजीकरण का छिपा एजेंडा आरक्षण खत्म करना है। निजीकरण का ही नतीजा है कि कुंभ के दौरान दिल्ली से प्रयागराज का किराया, दिल्ली से लंदन तक के किराये से महंगा हो गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री को टूटी सीट पर बैठकर सफर करना पड़ा। नेता प्रतिपक्ष ने लाल बिहारी यादव ने कहा कि सरकारी विभागों के निजीकरण किए जाने से नौकरी की कोई गारंटी नहीं रह जाएगी। इस पर केशव ने कहा कि सपा के लिए व्यक्ति और परिवार के बाद पार्टी और देश है, जबकि हमारी विचारधारा में देश सबसे ऊपर है।

दिल्ली सीएम बोलीं, बजट सत्र 24-26 मार्च के बीच होगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 से 26 मार्च के बीच होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। उनके साथ कैबिनेट के 6 मंत्री भी मौजूद थे। रेखा गुप्ता ने बजट के लिए दिल्ली के लोगों से सुझाव मांगा है। रेखा गुप्ता ने बताया कि हम दिल्ली की जनता का बजट लाना चाहते हैं। इसके लिए हमनें दिल्ली के लोगों से सुझाव मांगा है। हमारे सभी मंत्री और विधायक भी लोगों से मिलेंगे और दिल्ली की बेहतरी के लिए लोगों से जरूरी सुझाव लेंगे। सीएम ने कहा कि सरकार छुट्टियों में भी काम कर रही है। सचिवालय में शनिवार और रविवार को भी अफसर काम कर रहे हैं। मैं दिल्ली की जनता से कहना चाहती हूं कि हमनें जो वादे किए हैं, उसे पूरा करेंगे। दिल्ली विधानसभा सत्र के आखिरी दिन सोमवार को सीएजी की पेश दो रिपोर्ट शराब नीति और हेल्थ पर चर्चा हो रही है।

औरंगजेब को अछा आदमी बताने पर अबू आजमी पर भड़के एकनाथ शिंदे, राजद्रोह का मुकदमा दर्ज हो

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता और विधायक अबू आजमी के औरंगजेब के बारे में दिए बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। शिंदे ने कहा, अबू आजमी का बयान गलत है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज को 40 दिनों तक यातनाएं दी थीं। ऐसे व्यक्ति को अछा कहना सबसे बड़ा पाप है और इसलिए आजमी को माफी मांगनी चाहिए। हमारे मुख्यमंत्री ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और उन पर राजद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए। आजमी ने मुंबई में मीडिया से बात करते हुए कहा था, सारा गलत इतिहास दिखाया जा रहा है। औरंगजेब ने कई मंदिर बनवाए...औरंगजेब क्रूर नहीं था। एक समाचार चैनल के साथ इंटरव्यू में सपा नेता ने कहा था, मैंने औरंगजेब के बारे में जितना पढ़ा है, उसने कभी भी जनता का पैसा अपने लिए नहीं लिया, उसका शासन बर्मा (वर्तमान म्यांमार) तक फैला हुआ था, उस समय देश को सोने की चिड़िया कहा जाता था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह एक महान प्रशासक थे, उसकी सेना में कई हिंदू कमांडर थे। यह ताजा विवाद मराठा साम्राय के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज पर केंद्रित एक बॉलीवुड फिल्म छावा से पैदा हुआ है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेरकर ने किया है। इसमें संभाजी के जीवन, रायाभिषेक और मुगल साम्राय, खासकर औरंगजेब के खिलाफ संघर्ष को दिखाया गया है। विकी कौशल ने फिल्म में संभाजी की भूमिका निभाई है, जबकि रश्मि मंदाना ने उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले की भूमिका निभाई है। फिल्म में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब की भूमिका निभाई है। अबू आजमी ने पहली बार औरंगजेब का समर्थन नहीं किया है, बल्कि पहली भी वह उनकी प्रशंसा करते रहे हैं।

दिव्यांगता न्यायिक सेवाओं से वंचित करने का आधार नहीं: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि केवल दिव्यांगता के आधार पर किसी भी अभ्यर्थी (संबंधित पद के आवेदक) को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन अभ्यार्थियों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखने वाले मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम की शर्तों के उस भाग को निरस्त करते हुए कहा कि वे (दृष्टिहीन और दृष्टिबाधित) भारत की न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति के आवेदन के पात्र हैं। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति महादेवन ने कहा, मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम 1994 के नियम 6ए को निरस्त किया जाता है, क्योंकि यह दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन उम्मीदवारों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखता है। पीठ ने कई पहलुओं पर गौर करने के बाद कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार उनकी (दिव्यांग व्यक्तियों की) पात्रता का आकलन करते समय उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट तौर कहा कि दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले अभ्यर्थी न्यायिक सेवा के पदों के लिए चयन में भाग लेने के हकदार होंगे।

भाजपा से गठबंधन का सवाल ही नहीं,हमारा नजरिया बिल्कुल अलग: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के बीच गठबंधन की संभावनाओं से इनकार किया। उन्होंने कहा भाजपा के साथ गठबंधन का सवाल ही नहीं उठता। मारी राजनीतिक विचारधारा और प्राथमिकताएं बिल्कुल अलग हैं, विशेषकर जम्मू-कश्मीर को लेकर। साझेदारी की न कोई संभावना है और न ही जरूरत। विधानसभा के बजट सत्र में शामिल होने के लिए पहुंचे अब्दुल्ला ने एक सवाल के जवाब में यह बात कही। दरअसल भाजपा विधायक आरएस पठानिया ने जम्मू-कश्मीर गठबंधन के संकेत दिए थे।उन्होंने कहा था।

36 घंटे में हिमानी नरवाल मर्डर केस का खुलासा

पहले हुआ झगड़ा, फिर चार्जर की तार से गला घोंट कर की हत्या

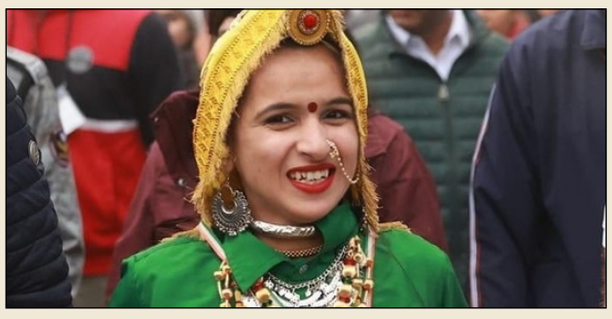

रोहतक, एजेंसी। सांपला में झाड़ियों में संदिग्ध अवस्था में कांग्रेस नेत्री हिमानी नरवाल का शव सूटकेस में मिला था। इस मामले पर पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के अंदर वारदात का खुलासा किया और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को आज पेश अदालत कर पुलिस रिमांड पर हासिल किया जायेगा। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों रिलेशनशिप में थे। इस मामले पर रोहतक रेंज के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक केके राव ने अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि 1 मार्च को रोहतक पुलिस टीम को दिल्ली रोड नजदीक बस स्टैंड सांपला पर झाड़ियों में पड़े काले रंग की सूटकेस में संदिग्ध अवस्था में एक युवती का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए हत्या करने और सबूत को छिपाने या मिटाने का मामला पाए जाने पर अभियोग संख्या 86ध्2025 धाराधीन 103(1), 238 बीएनएस थाना सांपला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक रोहतक नरेन्द्र बिजारणिया ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी में उप पुलिस अधीक्षक सांपला रजनीश, प्रभारी थाना सांपला निरीक्षक बिजेन्द्र, प्रभारी पुलिस चौकी शहर सांपला पीएसआई नरेन्द्र को शामिल किया गया। युवती की शिनाख्त के प्रयास किए गए। 12 घंटे में मृतका युवती की पहचान हिमानी निवासी विजय नगर रोहतक के रूप में हुई। 2 मार्च को युवती के शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए।

लेखपालों द्वारा अभद्रता के मामले में श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता पीलीभीत

पीलीभीत। तहसील परिसर अमरिया में निलंबित लेखपालों द्वारा मीडिया कर्मी के साथ किया गए अभद्रता को लेकर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन ने जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह को ज्ञापन दिया। लेखपालों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की मांग की है। आपको बता दें विगत 28 फरवरी 2025 को अमरिया तहसील परिसर में हाईवे प्रकरण में निलंबित लेखपालो विनय कुमार गंगवार ज्ञानदीप एवं भारत सिंह ने कवरेज करने पहुंचे मीडियाकर्मी के साथ मारपीट एवं अभद्रता की थी जिस पर श्रमजीवी पत्रकार यूनियन द्वारा जिलाधिकारी महोदय को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर निलंबित लेखपालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की कार्यवाही नहीं किए जाने पर पत्रकारों द्वारा प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने की बात कही है।जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह को दिए ज्ञापन में कहा गया कि पत्रकार के साथ इस तरह का व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इनका कार्य सच्चाई को सामने लाना है। संबंधित अधिकारियों को इस प्रकरण पर तत्काल संज्ञान लेकर दोषी लेखपालों के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए। जिसे भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो। यह घटना लेखपालों की भी छवि को धूमिल करती है। लेखपाल भी जानता के सेवक हैं, इन्हें जनता एवं पत्रकारों के साथ सम्मान एवं गरिमापूर्ण व्यवहार करना चाहिए।उक्त लेखपाल का ट्रांसफर बीसलपुर हो गया है। जो हाईवे प्रकरण में निलंबित भी चल रहे हैं और अभी भी अमरिया तहसील परिसर में कार्य कर रहे हैं।सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार अमरिया में प्लाटिंग का कार्य भी कर रहे हैं। श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के तहसील अमरिया अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ, संगठन मंत्री आमिर मलिक,अब्दुल रशीद अंसारी, सिराज मलिक, तौसीर, सुमित गुप्ता, बुद्धसेन कश्यप, नन्हेंलाल, इमरान मंसूरी अरविंद कुमार, , राजकुमार वर्मा, राजकुमार,हरपाल सिंह, ज्ञान प्रकाश पाठक,धर्मेंद्र चौहान, तारीक नायर एवं अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

राजेश्वरी हेल्थ केयर लखनऊ में नारी शिक्षा और स्वास्थ्य विषय पर संगोष्ठी व सम्मान समारोह का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सोशल रिसर्च फाउंडेशन कानपुर के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इनर व्हील क्लब से अध्यक्ष श्रीमती नीता अग्निहोत्री रही। विशिष्ट अतिथि के तौर पर सर्वजन हिताय संरक्षण समिति महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष रीना त्रिपाठी तथा डॉक्टर सुरभि गुप्ता रिटायर्ड विभाग अध्यक्ष एच ये ऐल रहीं। कार्यक्रम में कानपुर, लखनऊ, कन्नौज, बलरामपुर से प्रोफेसर, डाक्टर, समाजसेवी लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।डा निरुपमा मिश्रा डायरेक्टर राजेश्वरी हेल्थ केयर लखनऊ को नारी सम्मान के अतिरिक्त इनर व्हील समाज सेवी संस्था की अध्यक्ष श्रीमती नीता अग्निहोत्री ने भी सम्मानित किया। विभिन्न जिलों से आए लोगों को उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संस्था के महामंत्री राजीव मिश्रा ने किया।सेमिनार 卐 नारी शिक्षा और स्वास्थ्य卐 विषय पर बोलते हुए अतिथियों ने अपने वक्तव्य दिए। तो रीना त्रिपाठी ने विश्व मोटापा दिवस के अवसर पर फास्ट फूड कल्चर पर रोक और बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों को इससे दूर रखना को कहा। राजेश्वरी हेल्थ क्लिनिक के संस्थापक डा. निरुपमा मिश्रा ने समाज में बढ़ते मोटापे और इससे होने वाली बीमारियों और उनसे बचने के उपाय भी बताए बेटियां स्वस्थ रहेंगी तभी देश का विकास होगा एडोलिसेंस एजुकेशन पर उन्होंने ज्ञानवर्धक जानकारी उपस्थित सभी लोगों को दी। इस अवसर पर राजेश्वरी हेल्थ केयर लखनऊ के सौजन्य से एक निशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। सोशल रिसर्च फाउंडेशन कानपुर के सचिव राजीव मिश्रा, उनकी सहयोगी भावना निगम, तेजस्वी मिश्रा, प्रथमेश दीक्षित,गीता वर्मा, रेनू त्रिपाठी अंशु श्रीवास्तव समेत सम्पूर्ण अस्पताल का स्टाफ वह उपस्थित लोगों ने प्रतिभाग किया।

संविदाकर्मी की ड्यूटी पर मौत, विभागीय लापरवाही में नपे अधिकारी, अब तक दो निलंबित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के भरौली कलां में ट्रांसफार्मर पर हाई टेंशन तार ठीक करते समय करंट की चपेट में आकर संविदाकर्मी लाइनमैन की हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया। इस मामले में ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने तत्काल प्रभाव से एसएसओ को बर्खास्त कर दिया है। वहीं अवर अभियंता करीमुद्दीनपुर और उप खंड अधिकारी को निलंबित कर दिया है। अधिशासी अभियंता पर भी जांच बैठा दी गई है। बताते चले कि रविवार के दिन संविदा लाइनमैन देवेन्द्र राय करीमुद्दीनपुर उपकेंद्र से शट-डाउन लेकर ट्रांसफार्मर पर मरम्मत कार्य में लगे हुए थे तभी सब स्टेशन से बिजली आपूर्ति होने के चलते वह करंट की चपेट में आकर मौके पर दम तोड दिए। इस मामले में परिजनों की तहरीर पर विद्युत कर्मियों के खिलाफ करीमुद्दीनपुर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। जिले में यह पहली घटना नहीं है। पूर्व में देवेन्द्र राय की तरह ही शिवकुमार संविदा लाइनमैन और मनोज प्रजापति की इसी तरह की लापरवाही के चलते करंट लगने से मौत हो गई थी। वह भी शट डाउन लेकर मरम्मत का कार्य कर रहा था। इस दौरान उसके साथ हादसा हो गया था। उधर पावर कारपोरेशन का स्पष्ट आदेश है विद्युत उपकेंद्र पर कोई दुर्घटना होने पर अधिशासी अभियंता का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा और कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी लेकिन अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा को एमडी पूर्वांचल का आशीर्वाद प्राप्त है। इस कारण जूनियर इंजीनियर एवं एसडीओ पर कार्रवाई हुई किंतु अधिशासी अभियंता के विरुद्ध केवल चार्जशीट देकर मामला रफा दफा कर दिया गया।

उपायुक्त ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने सोमवार को एच.ई. स्कूल में संचालित मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग कक्षाओं का भ्रमण किया। परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड की जांच की। साथ ही सीसीटीवी कैमरे की भी जांच की। उपायुक्त ने सेंटर सुपरिटेंडेंट को कदाचार मुक्त व शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी रखने व सतर्क रहने का निर्देश दिया।

निजीकरण के खिलाफ जुलूस निकालकर किया विरोध

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। जमानिया तहसील क्षेत्र के निजीकरण के खिलाफ सोमवार को पैदल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शनविद्युत विभाग के कर्मचारियों ने सोमवार को सरकारी बिजली व्यवस्था के निजीकरण के खिलाफ सोमवार को पैदल जुलूस निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इस फैसले को तुरंत वापस लेने की मांग की और चेतावनी दी कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। विद्युत विभाग के अधिकारी और कर्मचारी स्थानीय नगर स्थित विद्युत उपकेन्द्र पर एकत्र हुए और निजीकरण के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। कर्मचारियों का कहना था कि निजीकरण से नौकरी पर संकट आ जाएगा, उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और बिजली दरें महंगी हो जाएंगी। निजीकरण से प्राइवेट कंपनियों की मनमानी शुरू हो जाएगी और उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ेगा। विद्युत कर्मियों ने हाथ में होर्डिंग लेकर नारे लगाए। उपखंड अधिकारी कमलेश प्रजापति ने कहा कि निजीकरण से कर्मचारियों और उपभोक्ताओं दोनों को नुकसान होगा। उन्होंने सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। प्रदर्शन में एसडीओ प्रवीण मौर्य, अवर अभियंता इंद्रजीत कुमार, अवर अभियंता शशिकांत पटेल, मनोज मौर्य, विपिन कुमार, संदीप कुशवाह, रितेश, अनूप और संविदा कर्मचारी अनिलग जनत सहित दर्जनों विद्युत कर्मी शामिल हुए।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी, हादसे को दावत फोरलेन पर बिना संकेतक और सुरक्षा के कार्य कर रहे मजदूर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। बिरनो थाना क्षेत्र के वाराणसी गोरखपुर फोरलेन पर रिपेयरिंग कार्य होरहा है। लेकिन कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण सड़क हादसों में लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। वही सैकड़ो की संख्या में लोग घायल भी हो जा रहे हैं। वाराणसी गोरखपुर फोरलेन पर राजापुर,भड़सर आदि जगहों पर सड़क रिपेयरिंग का कार्य चल रहा है जहां पर बिना डायवर्सन बोर्ड लगाये ही ठेकेदार मजदूरों से कार्य करा रहे हैं। जहां पर मजदूरों के साथ-साथ चलने वाले लोगों जान हथेली पर लेकर कार्य हो रहा है। लगातार सड़कों पर हादसा को रोकने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी कारण सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है वाराणसी गोरखपुर फोरलेन पर भारी वाहन चालकों से बातचीत में पता चला है कि सड़क रिपेयरिंग कार्यस्थल पर डायवर्सन बोर्ड, रेडियम स्टीकर नहीं लगाया गया है। जिससे सड़क हादसे होने की संभावना बनी हुई है। वहीं इससे पूर्व में सड़क निर्माण कंपनी के द्वारा रोड पर भड़सर चट्टी डायवर्सन बोर्ड न लगने के कारण बस पलटने से 50 की संख्या में महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालु घायल हो गए थे। वही इस संबंध में सदर उपजिला अधिकारी मनोज पाठक से इस संबंध में बात की गई तो उनके द्वारा बताया गया कि निर्माणाधीन कंपनी के द्वारा अगर रोड रिपेयरिंग के समय डायवर्सन बोर्ड नहीं लगते हैं तो यह सरासर गलत है। अगर इस तरह का मामला है तो जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसपी का चला हंटर, कई थाना प्रभारियों की गई कुर्सी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। जिले में कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस कप्तान डा. ईरज राजा ने जिले में कार्यरत करीब एक दर्जन निरीक्षक/उपनिरीक्षक को तात्कालिक प्रभाव से स्थानांतरित करते हुए उन्हें नवीन तैनाती दी है। स्थानांतरण के क्रम में निरीक्षक तारावती यादव प्रभारी निरीक्षक थाना भुड़कुड़ा से प्रभारी निरीक्षक थाना बहरियाबाद, निरीक्षक शैलेश कुमार मिश्रा प्रभारी निरीक्षक थाना मुहम्मदाबाद से प्रभारी निरीक्षक थाना भुड़कुड़ा, उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय थानाध्यक्ष बहरियाबाद से थानाध्यक्ष रेवतीपुर, उपनिरीक्षक राजीव कुमार त्रिपाठी थानाध्यक्ष बरेसर से थानाध्यक्ष सादात, उपनिरीक्षक कौशलेन्द्र प्रताप सिंह थानाध्यक्ष सादात से प्रभारी सीजर प्रकोष्ठ, उपनिरीक्षक संतोष कुमार पाठक पुलिस लाइन से थानाध्यक्ष बरेसर, निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह प्रभारी स्वॉट से प्रभारी निरीक्षक थाना जमानियां, निरीक्षक रामजन्म प्रभारी निरीक्षक थाना गहमर से प्रभारी निरीक्षक थाना मुहम्मदाबाद, निरीक्षक अरोधनाथ सिंह प्रभारी निरीक्षक थाना जमानियां से प्रभारी निरीक्षक थाना गहमर, उपनिरीक्षक रोहित कुमार मिश्रा पुलिस लाइन से प्रभारी स्वॉट एवं निरीक्षक पवन कुमार उपाध्याय प्रभारी निरीक्षक थाना रेवतीपुर से वाचक पुलिस अधीक्षक बनाये गये हैं।

पत्थर लदा ट्रैक्टर चालक ने स्कूटी में मारी टक्कर युवक की मौत

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। चिरकुंडा, कुमारधुबी एग्यारकुंड में काली मंडा के तरफ से आ रहे पत्थर लदा ट्रैक्टर ने, नीतू डिजिटल एक्स-रे के समीप पत्थर लदा बिना नंबर प्लेट का ट्रैक्टर ने स्कूटी संख्या जेएच10बीवाई3274 पर सवार टिंकू दुबे नमक व्यक्ति को कुचल दिया,जिसके कारण मौके पर ही स्कूटी सवार एगयारकुड निवासी टिंकू दुबे की मौत हो गई। मौत के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रैक्टर सवार की जमकर पिटाई कर दी, मौके पर गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी दीपक दास अपने दल बल के साथ पहुंचे ट्रैक्टर चालक को अपने हिरासत में ले लिया। वहीं परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था परिजन नौकरी और मुआवजे के लिए अपने बातों पर अड़े हुए थे। रह रहकर परिजन उग्र हो जा रहे थे, उग्र होने के कारण, जीटी रोड पूर्ण रूप से बाधित हो गया था। वहीं परिजनों ने बताया कि मृतक टिंकू दुबे अपने भाभी को लेकर एक्सरे करने के लिए वहां आया हुआ था। भाभी को क्लीनिक में छोड़ पेट्रोल लेने के लिए, जैसे ही वह रोड की तरफ निकला तो ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। वही भाकपा माले के नेता रामजी यादव व एगयारकुड दक्षिण पंचायत के मुखिया अजय राम ने कहा कि यहां पर लगभग ट्रैक्टर चलाने वाले ड्राइवर शराब पीकर और बिना लाइसेंस के गाड़ी को धड़ल्ले से रोड पर चलाते हैं। जिस पर प्रशासन को अंकुश लगाना चाहिए। मौके पर अभी चिरकुंडा थाना, कुमार धुबी ओपी प्रभारी पंकज कुमार मैथन ओपी प्रभारी आकृष्ट अमन, पंचेत ओपी प्रभारी प्रभात रंजन राय, निरसा थाना, सीओ कृष्णा कुमार मरांडी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर मौजूद थे। वहीं कुमारधुबी के नए ओपी प्रभारी राजेश कुमार लोहार ने बताया कि मृतक के परिजनों के डिमांड सभी पदाधिकारी के सहयोग से पूरा होने की बात कहे। ट्रैक्टर मालिक के द्वारा एक लाख रूपये देने की बात कही गई। सीओ कृष्ण कुमार मरांडी की ओर से विधवा पेंशन, अबुआ आवास योजना के साथ सरकारी सहयोग मृतक के परिजन को दिया जाएगा। इसके बाद, जी टी रोड का जाम खुल गया।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, परीक्षा देने जा रहे 12th के एक छात्र की मौत, दूसरा कानपुर रेफर

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। अचलगंज में सोमवार सुबह करीब 7 बजे अचलगंज से उन्नाव जाने वाले मार्ग पर ग्राम मुगूलपुर के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो छात्रों को टक्कर मार दी। बता दे कि दोनों छात्र आपस में सगे भाई है, दोनो कक्षा 12ह्न्द्ब की परीक्षा देने जा रहे थे। बता दे कि आदर्श नगर कोतवाली सदर उन्नाव के रहने वाले शिवम और शिवपूजन मोटरसाइकिल से कक्षा 12th की परीक्षा देने जा रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों छात्र सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। उमा खेड़ा थाना बीघापुर उन्नाव निवासी शिवम ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। शिवपूजन की हालत भी गंभीर होने के कारण उसे कानपुर के बड़े अस्पताल रेफर किया गया है। स्थानीय पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस सड़क पर सुरक्षा उपाय बढ़ाने और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, ट्रैक पार करते समय हादसा, परिवार ने की मुआवजे की मांग

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। अजगैन थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। दिग्गज खेड़ा गांव के 44 वर्षीय मजदूर बउआ की रविवार रात ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह हादसा अजगैन बाजार के पास हुआ। बता दे कि मृतक बउआ अपनी पत्नी सीमा और 16 वर्षीय बेटी सुधा के साथ रहते थे। वे मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। रविवार रात वे किसी काम से घर से निकले थे। रेलवे ट्रैक पार करते समय तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने हादसे की आवाज सुनी, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। बेटी सुधा की शादी की उम्र हो चुकी है। अब घर में कमाने वाला कोई नहीं है। परिजनों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है। वे चाहते हैं कि बेटी की शादी अच्छे से हो सके।

प्रेमी संग विवाहिता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

➤ एक माह पूर्व ससुराल से फरार हुई थी महिला पति की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। सुहवल थाना पुलिस ने? आज सोमवार को एक माह पहले अपने ससुराल से गायब विवाहिता को इलाके के सोनवल रेलवे क्रासिंग के समीप उसके विवाहित प्रेमी संग दबोच लिया,जो कहीं भागने की फिराक दोनों वाहन का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने दबोचे गये दोनों को थाने लेकर चली आई,और पुलिस ने इस मामलें की जानकारी अपनी पत्नी की तलाश में जुटे उसके पति को दे दी, इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों से कडी पूछताछ शुरु कर दी, वहीं पुलिस ने बरामद विवाहिता को मजिस्ट्रेट के समक्ष कलमबंद बयान दर्ज कराने और उसका मेडिकल मुआयना के लिए महिला आरक्षी के सुरक्षा घेरे में जिला मुख्यालय भेंज दिया। पुलिस के अनुसार महिला के साथ जो उसका विवाहित 40 वर्षीय प्रेमी पकडा गया है, वह हरदोई जनपद का रहने वाला है, मालूम हो कि कुछ दिनों पहले गाजीपुर जनपद के नंदगंज थाना अंतर्गत एक गाँव निवासी युवक जिसकी शादी सुहवल थाना क्षेत्र के एक गांव में करीब दस साल पहले हुई थी। पति ने पुलिस अधीक्षक को बीते एक हफ्ते पहले एक शिकायती पत्र देकर ससुराल पक्ष के ही लोगों पर उसकी 32 वर्षीय पत्नी को गायब करने का गंम्भीर आरोप लगाया था, मामलें की गंम्भीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक डाक्टर इरज राजा के निर्देश पर पुलिस ने उक्त युवक की तहरीर पर उसके ससुराल के दो महिलाओं समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। वहीं पति इसके बाद भी अपनी गायब पत्नी की तलाश में लगा था, जिसका पता नहीं चल पा रहा था, वहीं पुलिस टीमें मुकदमें के दर्ज होने के बाद से ही सर्विलांस के जरिए गायब महिला की तलाश में जुटी थी, जिसे सोमवार को सोनवल क्रासिंग से उसके विवाहित प्रेमी के साथ धर दबोचा। प्रभारी निरीक्षक राजू दिवाकर ने बताया कि पति के तहरीर पर उसकी पत्नी के गायब होने के मामलें में दर्ज मुकदमें के सिलसिले में पुलिस ने गायब महिला और उसके विवाहित प्रेमी संग बरामद कर लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्यवाई की जा रही है।

राहत इंदौरी की याद में होगा आल इंडिया मुशायरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अदब और साहित्य से पहचान बनाने वाले देश के नामवर शायर मरहूम राहत इन्दौरी साब की याद में उन्नाव में आयोजित होगा ऑल इंडिया मुशायरा। तेज़ मीडिया प्रोडक्शन, दिल्ली के बैनर तले इस अदब और साहित्य के महा आयोजन में देश विदेश में शिरक़त कर रहे बड़े नाम मंच साझा करेंगे। तेज़ मीडिया के फाउंडर मीनू ज्ञानचंदानी, निदेशकों कामरान पठान और अभिजीत सिन्हा ने बताया अप्रैल माह के आख़िरी सप्ताह में होगा आयोजन जिसमे सतलज राहत इन्दौरी, अज़हर इक़बाल, अमीर इमाम, इब्राहिम अली, अभिषेक सहज, अमृतांशु, मुस्कान मज़ीद, अनम, सफ़र, बाबू अली अब्र, उपासना इबादत, सलमान सईद, मलिक रिज़वान, हर्षित मिश्रा, कोमल निडर, अभिषेक अस्थाना, अब्दुल मोइन आदि शायर शायरात अपनी पेशकश देंगे। सहयोगी संस्थान ऐ यू एजुकेशनल सोसाइटी के संस्थापक अयाज़ फ़ारूक़ी ने बताया कि यह महा आयोजन साम्प्रादायिक सद्भाव को मजबूती देने के साथ स्वस्थ साहित्य और अदब की मिसाल बनेगा। प्रबंधक संस्था इंडियन इवेंट सोल्यूशन्स के संस्थापक डॉ मनीष सिंह सेंगर ने बताया विशेष रूप से तैयार किए गए मंच पर राहत साब की अंतिम पुस्तक का विमोचन होने के साथ उन्नाव के वरिष्ठ साहित्यकारों और समाजसेवियों की स्मृति में सम्मान भी किए जाएंगे। मोहम्मद इरफ़ान और राहुल कश्यप ने आयोजकों के साथ कार्यक्रम का प्रारंभिक पोस्टर लांच करते हुए अदब और साहित्य के प्रेमियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ने की अपील की।

यूपी में दलितों-पिछड़ों पर बढ़ते अत्याचार का मामला

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता उन्नाव

उन्नाव। आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने दलितों और अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। यह ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। पार्टी के जिलाध्यक्ष राज चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार में कमजोर वर्गों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। असामाजिक तत्व अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगातार अपराध कर रहे हैं। सरकार इन घटनाओं को रोकने में विफल है। ज्ञापन में मथुरा की घटना का विशेष उल्लेख किया गया। भीम आर्मी प्रमुख और सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले को लोकतंत्र पर हमला बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने इस घटना को राज्य की खराब कानून व्यवस्था का प्रमाण माना।आरोप है कि पुलिस प्रशासन पीड़ितों की मदद करने के बजाय आरोपियों को बचा रहा है। उन्होंने कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही इन अत्याचारों पर रोक नहीं लगी तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। उन्होंने राष्ट्रपति से अपील की है कि वे उत्तर प्रदेश में कमजोर वर्गों के खिलाफ हो रहे अपराधों पर संज्ञान लें और न्याय दिलाने के लिए कदम उठाएं।

उपायुक्त ने किया मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने सोमवार को हीरापुर के भिस्तीपाड़ा स्थिति एच.ई. स्कूल प्रांगण में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया। यह केन्द्र सौर ऊर्जा से संचालित है। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों के बीच टॉफी और चाकलेट का वितरण किया। साथ ही उनके साथ वार्तालाप किया। उपायुक्त ने बताया कि पुराने आंगनबाड़ी केंद्र को निप्पॉन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट लिमिटेड के सीएसआर मद से मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बनाया है। यहां बच्चों के लिए खेलने, पढ़ने और पौष्टिक आहार की बेहतरीन संरचना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अभिभावक भी बहुत उत्साहित है। मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बन जाने से बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ी है। नए एडमिशन के लिए लगातार इन्क्वायरी आ रही है। जो प्रशासन के लिए सुखद और सकारात्मक अनुभव है। उन्होंने कहा कि जिले के अन्य आंगनबाड़ी केंद्रों को इसी तर्ज पर मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बनाने के लिए जिला समाज कल्याण विभाग को लिस्ट तैयार करने का निर्देश दिया है। इसके बाद उपायुक्त ने आंगनबाड़ी केंद्र के किचन का निरीक्षण किया। साथ ही प्रांगण में पौधारोपण किया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, निप्पॉन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट लिमिटेड की अर्पिता चटर्जी, सुमित कुमार, सेविका श्वेता देवी, सहायिका लाईची देवी, पोषण सखी गुडिया पासवान सहित अन्य लोग मौजूद थे।

12वां सालाना उर्स महबूब उल औलिया व हुसैनी चिश्तिया महफ़िल का सफल आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

चिश्तिया। अंजुमन सिमरा शरीफ के तत्वावधान में 12वां सालाना उर्स महबूब उल औलिया व हुसैनी चिश्तिया महफ़िल का भव्य आयोजन किया गया। इस पवित्र मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की और सूफियाना माहौल में इबादत व दुआएं कीं। कार्यक्रम की शुरुआत चादरपोशी से हुई, जिसके बाद हुसैनी दरबार खानकाह में मजलिस का आयोजन किया गया। अकीदतमंदों ने नात-ओ-मंकबत पेश की और सूफियाना कलामों से महफ़िल को रूहानी बना दिया। इसके बाद शाही लंगर का आयोजन हुआ, जिसमें सभी अकीदतमंदों ने शिरकत की। तबर्रुकात की तकसीम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें शामिल थे- सूफी अलाउद्दीन हसन बुरहानी, इमामुद्दीन इमा, मजहर अय्यूब, हाफिज वारिस अली चिश्ती, सूफी अब्बास अली चिश्ती, मुमताज शराफत चिश्ती, कायम हुसैन शराफाती, तबारक हुसैन शराफत, मुबारक हुसैन शराफत, बदरुद्दीन शराफत, मनीर शराफत, रफीक शराफत, सिद्दीकी शराफती, सनाउल शराफत, हदीस अंसारी, हाफिज शाहबाज चिश्ती धनबाद, दमा दे महबूब उल आलिया अलहाज मौलाना गुलाम सरवर, सूफी अफरोज आलम चिश्ती, मोहम्मद बाबर बिस्मिल, मोहम्मद शाहिद हुसैन गिरिडीह, प्रकाश कुमार मंडल गोड्डा, पवन कुमार मंडल जांबाज, सूफी सीरउद्दीन चिश्ती, रजब शराफत, अत्ताउल्लाह अंसारी धनबाद, इब्राहिम खान अमेठी, लाइक खान रायबरेली, महफूज शराफत, अली मोहम्मद, अब्दुल हलीम चिश्ती, कलीम चिश्ती, प्रधान चिश्ती, निजाम चिश्ती, सूफी मुस्लिम चिश्ती, मोहम्मद शमी चिश्ती, मुजफ्फर हुसैन कोलकाता, अनवर चिश्ती दिल्ली, कमल चिश्ती लालगढ़। आयोजन समिति ने सभी अकीदतमंदों का शुक्रिया अदा किया और इस रूहानी महफ़िल की कामयाबी के लिए अल्लाह का शुक्र अदा किया।

आक्रोशित ग्रामीणों ने स्वास्थ्य केंद्र पर तालाबंदी कर जताया विरोध

➤ इमरजेंसी और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को सादात सीएचसी पर शिफ्ट करने पर कर्मचारियों को बनाया बंधक

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गाजीपुर। सादात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिर्जापुर से बीपीएमयू यूनिट, इमरजेंसी सेवा और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को सादात सीएचसी पर शिफ्ट करने के विरोध में यहां के ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह करीब 11 बजे पीएचसी के मुख्य गेट पर ताला बंद करते हुए स्वास्थ्यकर्मियों को करीब साढ़े तीन घंटे तक बंधक बनाए रखा। सूचना पर पहुंची बहरियाबाद पुलिस के साथ ही गांव के संभ्रांतजनो और प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. पंकज सिंह के अश्वासन के बाद ग्रामीण शांत हुए। जानकारी के अनुसार प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के निर्देश के अनुपालन के क्रम में डीएम के आदेशानुसार सीएमओ ने सीएचसी सादात पर स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मिर्जापुर पर स्थापित/क्रियाशील ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (बीपीएमयू) को कर्मचारियों सहित स्थानांतरित कर सादात सीएचसी पर संचालित कराने का निर्देश दिया है। सीएमओ ने निर्देशित किया है कि पीएचसी मिर्जापुर पर कार्यरत बीपीएमयू के कार्मिकों को मानदेय का भुगतान उक्त निर्देशों के अनुपालन के बाद ही दिया जाएगा। इसकी जानकारी होने पर सैकड़ों महिलाएं और पुरुष पीएचसी पर सुबह 11.00 बजे पहुंचकर अस्पताल के मेन गेट पर ताला बंद कर दिए। इससे स्वास्थ्यकर्मियों में हड़कंप मच गया। चूंकि सोमवार का दिन होने के नाते अस्पताल पर एनएम और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की (बीडब्ल्यूआर) की साप्ताहिक बैठक चल रही थी। ऐसे में पचासों की संख्या में कार्मिक और चिकित्सक अंदर मौजूद थे, जो गेट पर ताला बंद होने के कारण खुद को काफी असहज महसूस कर रहे थे।प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पूरा अस्पताल ही यहां से उठकर सादात सीएचसी चला जाएगा, जिससे वह स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हो जाएंगे। सूचना पाकर बहरियाबाद थाने के उप निरीक्षक राजेश सिंह भी दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस और प्रभारी चिकित्साधिकारी के साथ ही पूर्व जिला पंचायत सदस्य किशोर यादव तथा अन्य लोगों के समझाने बुझाने एवं एक सप्ताह का समय मांगने के बाद ग्रामीण शांत हुए। तब जाकर करीब साढ़े तीन घंटे बाद दोपहर ढाई बजे मामला शांत हुआ। विरोध प्रदर्शन करने वालों में प्रिंस सिंह, बबलू गुप्ता, दीपक, मिथिलेश, शिला, पार्वती, गीता, संतरा देवी, मीना, रागिनी, डिंपल, कौशल्या, आनंद, राजेश सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

गेहूं की फसल हुई जलमग्न, किसान लाचार

● जमानियां पंप कैनाल से छोड़े गए अतिरिक्त पानी से गेहूं की फसल को पहुंचाया नुकसान

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता गाजीपुर

गाजीपुर। सेवराई तहसील क्षेत्र में जमानियां पंप कैनाल से छोड़े गए अतिरिक्त पानी ने स्थानीय तहसील क्षेत्र के अमौरा गांव में किसानों के गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचाया है। भदौरा से मिश्रवालिया माइनर के जरिए अमौरा सिवान में पहुंचे पानी से लगभग 50 बीघा गेहूं की फसल जलमग्न हो गई है। वहीं किसानों ने बताया कि जब पानी की आवश्यकता होती है तो नहर में पानी नहीं रहता है और जब पानी की आवश्यकता नहीं होती है तो नहर में पानी आने की वजह से हम किसानों को नहर के पानी से गेहूं की फसल में बेवजह पानी भर जाने से काफी नुकसान हुआ है जो विभाग की घोर लापरवाही है माइनर से सटे किसान द्वारिका नाथ उपाध्याय को सर्वाधिक नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि धान की फसल के समय से पानी नहीं मिलता। गेहूं की कटाई के समय दूसरी बार उनकी फसल पानी में डूब गई है। किसान राजन यादव ने बताया कि माइनर की स्थिति कमजोर है। वर्तमान में किसी को सिंचाई के लिए पानी की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने नहर का पानी तुरंत बंद करवाने की मांग की है। अयोध्यानाथ, विकास यादव और अंबिका यादव सहित अन्य

किसानों का गेहूं की फसल भी पानी से प्रभावित हुआ है। फसल कटाई के समय नजदीक होने के कारण खेतों में पानी भर जाने से फसल के खराब होने का खतरा बढ़ गया है। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से ही कर दिया निष्काषित, एक दिन पूर्व पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से किया था मुक्त

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बीएसपी प्रमुख मायावती ने रविवार को लखनऊ में पार्टी पदाधिकारियों संग समीक्षा बैठक में भतीजे आकाश आनंद को सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया था 7 साथ ही यह भी कहा था कि जीते जी मेरा कोई भी उत्तराधिकारी नही होगा 7 लेकिन ठीक एक दिन बाद सोमवार को मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी से भी निष्काषित कर दिया 7 मायावती ने एक्स पर अपने इस अहम निर्णय की जानकारी देते हुए लिखा ः बीएसपी की आल-इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर श्री अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी। लेकिन इसके विपरीत श्री आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है, जिससे बचने की सलाह मैं पार्टी के ऐसे सभी लोगों को देने के साथ दण्डित भी करती रही हूँ। उन्होने आगे लिखा ःअतः परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान मूवमेन्ट के हित में तथा मान्यवर कांशीराम की अनुशासन की परम्परा को निभाते हुए श्री आकाश आनन्द को, उनके ससुर की तरह, पार्टी व मूवमेन्ट के हित, में पार्टी से निष्कासित किया जाता है। आकाश आनंद को बीएसपी से निष्काषित किये जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि भतीजे को पहले पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटाया, फिर इस पद पर बहाल करते हुए उनको अपना उत्तराधिकारी भी घोषित कर दिया था लेकिन अब पुनः रविवार को उन्हें नेशनल कोऑर्डिनेटर पद सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया, एवं ठीक एक दिन बाद पार्टी से ही निष्काषित कर दिया गया। संभवतः मायावती को उम्मीद थी कि रविवार को उनके निर्णय के बाद आकाश आनंद पश्चाताप करते हुए माफी मांगेगे लेकिन ऐसा न कर उन्होने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की जो मायावती को रास नही आया जिस कारण आकाश आनंद को पार्टी से ही बाहर का रास्ता दिखा दिया 7 वर्तमान में बीएसपी का जनाधार दिन प्रतिदिन गिरता जा रहा है और ऐसे में पार्टी में चल रहे घटनाक्रम ने बीएसपी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

संदिग्ध हालत में शराब ठेके के पास पड़ा मिला ट्रक चालक का शव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा इलाके में रविवार रात एक ट्रक चालक का शव संदिग्ध हालत में शराब ठेके के पास पड़ा मिला। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मूल रूप से उन्नाव जिले के अजगैन थाना अंतर्गत गुरसान खेड़ा सिरसा निवासी कुलदीप रावत (32) बीते 20 वर्षों से परिवार सहित बंथरा के कटी बगिया स्थित ननिहाल में रहकर ट्रक चलाता था। परिजनों के मुताबिक चालक कुलदीप रविवार रात करीब 9 बजे घर से टहलने की बात कह कर निकला। लेकिन वापस नहीं लौटा। रात करीब 1 बजे लोगों ने देखा तो वह घर से करीब आधा किलोमीटर दूर देसी शराब ठेके के पास मरणासन हालत में पड़ा था। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना उसके परिजनों के दी। सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे तो कुलदीप के सिर में पीछे खून बह रहा था। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने कुलदीप को मृत घोषित कर दिया। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के बड़े भाई रंजीत ने हत्या की आशंका जाहिर की है। उसने किसी से कोई रंजिश होने से इनकार किया है। साथ ही मामले की जांच की मांग की है। मृतक के परिवार में उसकी पत्नी प्रीति के अलावा बेटी स्वाति और साक्षी हैं। उधर पुलिस ने हत्या की बात से इनकार किया है। पुलिस का कहना है कि मृतक शराब का आदी था और संभवतः वह शराब के नशे में गिर गया, तभी उसकी मौत हो गई। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद उसकी मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा।

मृतक

दोनों पाली में 1639 ने छोड़ी परीक्षा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूपी बोर्ड परीक्षा के दौरान सोमवार को दोनों पालियों में आयोजित हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में 1639 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान पहली पाली में हाईस्कूल की संस्कृत की परीक्षा थी। जिसमें 2178 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। पंजीकृत परीक्षार्थियों में से 2048 उपस्थित रहे। 130 ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान में 18604 पंजीकृत थे, उपस्थित हुए 17821। 783 ने परीक्षा छोड़ दी। वहीं इंटरमीडिएट गणित की परीक्षा में 5796 पंजीकृत थे। 5622 उपस्थित हुए और 174 ने परीक्षा छोड़ी। इसी तरह दूसरी पाली में हाईस्कूल की संगीत वादन की परीक्षा थी। जिसमें 134 में 130 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। चार ने परीक्षा छोड़ दी। इसके अलावा इंटर में चित्रकला की परीक्षा में 7407 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें 6855 उपस्थित रहे। 552 परीक्षार्थी इसमें भी अनुपस्थित रहे। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि परीक्षा के दौरान पहली पाली में 4 सचल दलों ने 27 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। वहीं दूसरी पाली में भी 5 सचल दलों ने 14 परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया सभी केन्द्रों परीक्षा शान्तिपूर्वक सम्पन्न हुई।

डीआईओएस ने इन केन्द्रों का किया निरीक्षण

प्रथम पाली
-कृष्णा पब्लिक इंटर कॉलेज न्यू बेहसा
-उत्तर प्रदेश सैनिक राजकीय इंटर कॉलेज सरोजनी नगर
-हीरालाल गर्ल्स इंटर कॉलेज बंथरा
-लखनऊ पब्लिक एकेडमी बंथरा
लाला रामस्वरूप शिक्षा संस्थान इंटर कॉलेज बंथरा
द्वितीय पाली
-करामत हुसैन मुस्लिम गर्ल्स इंटर कॉलेज निशातगंज
-डी. आर. वी. इंटर कॉलेज संजय गांधीपुरम
-दयानंद गर्ल्स इंटर कॉलेज महानगर

प्रशासन ने 5 करोड़ कीमत की सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भू माफियाओ पर सरकारी जमीनों को कब्जे में लेकर जोरदार हंटर चलाया जा रहा हैं सरोजिनी नगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत भू माफिया अर्बन खरगोन की सरकारी जमीनों पर प्लाटिंग कर कर बेच चुके हैं. वहीं पर राजधानी लखनऊ के सरोजिनी नगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत 5 करोड़ कीमत की सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराया. नगर निगम की सरकारी जमीन पर लगातार प्लांट बनाकर बेचने का कारोबार धड़ले से किया जा रहा शिकायत के बाद सरोजिनी नगर तहसील उप जिलाधिकारी सचिन कुमार वर्मा ने मौके का निरीक्षण तीन दिन पहले किया था उसके बाद तत्काल सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए सरकार शासकीय जमीन सुरक्षित करने आदेश दिए थे जिसके बाद सोमवार को नगर निगम व राजस्व तहसील टीम मौसी ग्राम सभा में भू माफियाओं द्वारा प्लांट बनाकर बेचा गया था उसे पर कार्यवाही करने पहुंचे मौके पर पहुंची टीम ने बताया कि लगभग 8 बीघा जमीन को सुरक्षित कराया गया है जिसमें वह माफियाओं द्वारा प्लांट बनाकर बेचा गया था उनकी बाउंड्री वॉल जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया गया है जिसकी मालियत लगभग 20 करोड़ के आसपास बताइ जा रही है। प्रशासन द्वारा कार्यवाही के बाद मौके पर जिन लोगों को भूमाफियाओं द्वारा प्लांट मिले थे वह पहुंचे और अपनी आपबीती बताई कि जिस तरीके से प्रॉपर्टी डॉलर द्वारा उन्हें यहां पर प्लाट दिया गया और आज जेसीबी द्वारा ध्वस्त किया जा रहा है यह भी बताया कि कई बार इस जमीन की नपाई हो चुकी है और कार्यवाही भी की जा चुकी है लेकिन आज फिर मौके पर टीम ने पहुंचकर कब्जा मुक्त कराया है।

अंसल निवेशकों से मिले डॉ. राजेश्वर सिंह, कहा सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

➲ सीएम योगी से मिले डॉ. राजेश्वर, सरोजनीनगर के विकास कार्यों का अवलोकन एवं 'सोलर संवाद' कार्यक्रम में किया आमंत्रित
➲ योगी आदित्यनाथ अप्रतिम नेतृत्व के प्रकाशपुंज, राष्ट्रसेवा के दिव्य प्रेरणास्रोत - डॉ. राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सोमवार को सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अंसल एपीआई के खरीददारों के साथ बैठक कर उनके निवेश और जमापूंजी की सुरक्षा को लेकर रणनीति बनाई। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा अंसल प्रापर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को दिवालिया घोषित कर इंटरिम रिज़ॉल्यूशन प्रोफेशनल (आईआरपी) नियुक्त करने का आदेश दिया है। इस दौरान डॉ. सिंह ने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि उनके हितों की रक्षा के लिए वे स्वयं और सरकार उनके साथ हैं। विधायक ने बताया कि उक्त प्रकरण को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संज्ञान में भी लाया गया है। डॉ. सिंह ने निवेशकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि चाहे एनसीएलटी के माध्यम से, या सरकारी स्तर पर या फिर सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से, प्रत्येक स्तर पर निवेशकों के हितों की रक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी घर खरीदारों के साथ हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। प्रभावितों के हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि हम तीन विकल्पों पर विचार कर रहे हैं- सम्माननीय सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल करना। एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ एनसीएलएटी में अपील दायर करना। अंसल के खिलाफ सरकार द्वारा विभिन्न प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जांच करना, जैसे कि पुलिस में एफआईआर दर्ज कराना और एलडीए के तहत कार्रवाई। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी, शैलेन्द्र सिंह, अमर पाल राठौर, अंसल रेजिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष गगन टंडन, कुश अग्रवाल, अजीत यादव, पंकज तिवारी, एस. एस अस्थाना, संजय सिंह, अनिल अग्रवाल व अन्य प्रभावित खरीददार उपस्थित रहे। सीएम योगी से मिले डॉ. राजेश्वर, सरोजनीनगर के विकास कार्यों का अवलोकन एवं 'सोलर संवाद' कार्यक्रम में किया आमंत्रित - सोमवार को सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक द्वितीय कार्यकाल की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर दिनांक 10 मार्च 2025 को आयोजित 'सरोजनीनगर के विकास कार्यों का अवलोकन एवं सोलर संवाद' कार्यक्रम में आमंत्रित किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मुख्यमंत्री के साथ हुई मुलाकात की जानकारी देते हुए डॉ. सिंह ने लिखा, 卐तप, तेज और त्याग की प्रतिमूर्ति, मां भारती के दैदीप्तिमान नक्षत्र, अप्रतिम नेतृत्व के प्रकाशपुंज, राष्ट्रसेवा के दिव्य प्रेरणास्रोत, श्रद्धेय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंटकर अमूल्य मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया! आपकी ध्येयनिष्ठ संकल्पशक्ति, अदम्य कर्मठता और राष्ट्रसेवा का अटल ओज हमारे लिए नवचेतना, सतत ऊर्जा और अविरल प्रेरणा का स्रोत है। इस स्नेहमयी भेंट के दौरान सरोजनीनगर के जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की संक्षिप्त प्रस्तुति रखी। साथ ही, उत्तर प्रदेश सरकार के ऐतिहासिक द्वितीय कार्यकाल की गौरवशाली तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर दिनांक 10 मार्च 2025 को आयोजित 'सरोजनीनगर के विकास कार्यों का अवलोकन एवं सोलर संवाद' कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को सादर आमंत्रित भी किया।

समाचार

अटल काव्योत्सव संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में अटल काव्योंत्सव आयोजित किया गया,जिसकी अध्यक्षता डॉक्टर अखिलेश मिश्रा आई.ए.एस ने की। कुशल संचालन विनय प्रकाश मिश्र ने किया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर एवं वाणी वंदना से किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर अखिलेश मिश्रा, सरला आसमा,कुलदीप कलश,अभिश्रेष्ठ मिश्रा,पल्लवी मिश्रा, उत्कर्ष उत्तम, हर्षित सिंह, अंकुर अवस्थी आदि ने अपने गीत, गजल, छंद एवं मुक्तकों से सबको भाव विभोर कर दिया।समारोह में डॉक्टर वी.के.शर्मा, डॉक्टर राकेश प्रताप सिंह, डॉक्टर शांभवी मिश्रा,दामिनी तिवारी, अनुष्का श्री, श्रद्धा यादव, कुलदीप शुक्ल, राम राज भारती, ओम तिवारी,हरिओम राठौर आदि मौजूद रहे।

लविवि के द्वितीय परिसर में खेलोत्सव कार्यक्रम 2.0 का शुभारम्भ

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में एक सप्ताह तक चलने वाले खेलोत्सव कार्यक्रम 2.0 का आरंभ हुआ। निदेशक डॉ. आरके सिंह, विधि संकायाध्यक्ष प्रो. बीडी सिंह ने फीता काटकर शुभारंभ किया। विधि संकायाध्यक्ष ने कहा कि खेलो में नियम, रीति रिवाज और प्रतिस्पर्धा शामिल होती है। यह आम तौर पर शारीरिक रूप से सक्रिय गतिविधियों को शामिल करता है। खेल आपसी सामंजस्य, सहयोग व सौहार्द का प्रतीक होता है। बता दें कि इस खेलोत्सव में क्रिकेट, बैडमिंटन जैवलिन थ्रो, शॉट पुट, डिस्क थ्रो समेत लगभग डेढ़ दर्जन से ज्यादा इंडोर व आउटडोर खेलों का आयोजन होगा। जिसमें लखनऊ के एक दर्जन से अधिक विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के छात्र प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रो. आनन्द विश्वकर्मा, जिला संयोजक अमन सिंह चंदेल, डॉ. निधि सिंह, डॉ. दीपक गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक आकाश मिश्रा, महानगर सह मंत्री अश्मित गुप्ता, इकाई अध्यक्ष सिद्धार्थ तिवारी, इकाई मन्त्री विवेक सिंह समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

महर्षि यूनिवर्सिटी और सीबीएमआर,लखनऊ ने शैक्षणिक और शोध सहयोग के लिए किया समझौता ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (एमयूआईटी), लखनऊ और सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च (सीबीएमआर), लखनऊ के बीच शैक्षणिक और शोध सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते पर एमयूआईटी के रजिस्ट्रार डॉ. गिरीश छिमवाल और सीबीएमआर के निदेशक प्रो.आलोक धवन ने,महर्षि यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति प्रो.भानु प्रताप सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।इस समझौते का मुख्य उद्देश्य छात्र इंटर्नशिप, शोध प्रबंध, भ्रमण और संयुक्त शोध परियोजनाओं के माध्यम से शैक्षणिक साझेदारी को बढ़ावा देना है। इसमें प्रयोगशाला सुविधाओं का साझा करना, उद्योग कौशल का विकास और उच्च गुणवत्ता वाले शोध को बढ़ावा देना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, एक्स्ट्राम्यूरल फंडिंग के लिए भी संयुक्त प्रयास किए जाएंगे।समझौते के इस अवसर पर सीबीएमआर के डीन प्रो. नीरज सिन्हा,डॉ.उत्तम कुमार, डॉ. योगेश कुमार,डॉ.नरेंद्र कुमार, महर्षि यूनिवर्सिटी की डीन एकेडेमिक्स डॉ. नीरज जैन, डिप्टी डीन एकेडेमिक्स डॉ. कल्याण आचार्य और डीन फार्मेसी डॉ. शिखर वर्मा की भी उपस्थिति रही। महर्षि यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल को सीबीएमआर की विजिट के दौरान NMR, fMRI, LC-MS, GC-MS और HPLC जैसे उन्नत उपकरणों को देखने का अवसर प्राप्त हुआ।

जल निगम के कर्मचारियों पेंशनधारकों की लंबित समस्याओं को लेकर चिंता आक्रोश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश जल निगम एकीकृत संघर्ष मोर्चा ने प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जिसमें उत्तर प्रदेश जल निगम के कर्मचारियों और पेंशनधारकों की लंबित समस्याओं को लेकर चिंता और आक्रोश व्यक्त किया गया। महासचिव ई0 ए0के0 सिंह ने बताया कि कई मुद्दों का समाधान नहीं किया गया है, जिनमें पेंशन और पारिवारिक पेंशन का भुगतान, सातवां वेतनमान, जल निगम के विभाजन से संबंधित समस्याएँ, उच्चतम न्यायालय के आदेशों के बावजूद लंबित एरियर का भुगतान, मृतक आश्रित अनुकम्पा नियुक्तियाँ, और अन्य कर्मचारियों के लाभ शामिल हैं। सिंह ने बताया कि 4 से 6 मार्च 2025 तक उत्तर प्रदेश जल निगम मुख्यालय पर तीन दिवसीय ध्यानाकर्षण धारना एवं प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। इस प्रदर्शन में प्रदेश भर के जल निगम के कार्यरत कर्मचारी और पेंशनर्स भाग लेंगे, ताकि इन समस्याओं का समाधान हो सके और उनके अधिकारों की रक्षा की जा सके।

डीजे साउंड तोड़फोड़ करने के साथ कुर्सियों से मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा के धावापुर में रहने वाले डीजे संचालक अजीत चौरसिया ने थाना क्षेत्र के ही हमीरपुर रोड स्थित पीएल पैलेस में शादी समारोह के दौरान लड़की के भाई बंटी, मोनू और मिलन के खिलाफ डीजे साउंड तोड़फोड़ करने के साथ कुर्सी से मारपीट कर सर फोड़ने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अजीत का कहना है कि रविवार रात बंथरा के ही हमीरपुर रोड स्थित पीएल पैलेस में शादी का कार्यक्रम चल रहा था। तभी रात 11:45 बजे लड़की के घर वालों ने डीजे सिस्टम बंद करने को कहा। पीड़ित का कहना है कि वह अपना डीजे सिस्टम बंद कर रहा था। तभी लड़की का भाई बंटी और उसका साथी मोनू व मिलन शराब के नशे में धुत होकर पहुंचे और अजीत का कालर पकड़ कर खींच लिया। जब वह बचाव करने लगा तो आरोपियों ने स्टील की कुर्सी से उसके सिर पर हमला कर दिया। जिससे अजीत का सिर फट गया और लहूलुहान हो गया। इस दौरान अजीत का साथी निरंजन कश्यप बीच बचाव करने दौड़ा तो उसे भी मारा पीटा। जिसे उसका भी सर फट गया।

यूएई सरकार द्वारा आमंत्रित किये गए डॉ. मोहम्मद सिराज अंसारी

● यूएई सरकार के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल का होगा आयोजन- सिराज अंसारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। यूनाइटेड अरब अमिरात (यूएई) सरकार द्वारा डॉ मोहम्मद सिराज अंसारी को अति विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों तथा कार्यक्रमों को आयोजन करने को लेकर विश्व स्तरीय निर्णय लिया गया। डॉ. मोहम्मद सेराज अंसारी, विश्व खेल कराटे महासंघ (WSKF), अंतर्राष्ट्रीय गैर-ओलंपिक समिति, WeFaa, IICCI, चैंबर ऑफ कॉमर्स के वैश्विक अध्यक्ष, और ISE काड्र्स इंडिया लिमिटेड के समूह अध्यक्ष हैं। दुबई एसोसिएशन सेंटर, दुबई चैंबर और अर्थव्यवस्था और पर्यटन विभाग सहित प्रमुख संस्थानों के माध्यम से इस सेमिनार का आयोजन 18 से 22 फरवरी, 2025 तक दुबई में आयोजित किया गया। डॉ सिराज अंसारी ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य शहर की असाधारण पेशकशों और जीवंत संस्कृति को प्रदर्शित करना है, जो अंतरराष्ट्रीय संघों और गैर-लाभकारी संगठनों के लिए एक संपन्न पारिस्थिति के रूप में दुबई की अनूठी स्थिति को उजागर करेगी। उन्होंने बताया कि सेमिनार में लगभग 18 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय संगठनात्मक अध्यक्षों और प्रमुख पद धारकों को भी आमंत्रित किया गया था। डॉ सिराज अंसारी ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को दुबई में अपने कार्यालय स्थानांतरित करने या अपने चौंबर खोलने के लिए प्रोत्साहित करना और यूएई सरकार के सहयोग से विश्व स्तरीय संपत्तियों और बुनियादी ढांचे का उपयोग करके अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, सम्मेलन, सेमिनार और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करना है। 2014 में स्थापित दुबई एसोसिएशन सेंटर (DAC) दुबई में अंतर्राष्ट्रीय संघों के विकास और स्थापना में सहायक रहा है। डॉ. अंसारी की यात्रा में शीर्ष आकर्षण, सांस्कृतिक स्थल और साथियों और प्रीमियम सेवाओं के साथ नेटवर्किंग के अवसरों को दर्शाने वाला एक सावधानीपूर्वक नियोजित यात्रा कार्यक्रम शामिल रहा। कार्यक्रम में यात्रा,आवास और जमीनी परिवहन शामिल होगा, जो दुबई के प्रतिष्ठित स्थलों, शानदार आवासों और विश्व स्तरीय आकर्षणों का एक शानदार अनुभव प्रदान करेगा। दुबई के अर्थव्यवस्था और पर्यटन विभाग ने बताया कि उन्होंने आयोजनों और सम्मेलनों के माध्यम से 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कारोबार किया है। अब वे इन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को दुबई में अपनी गतिविधियाँ लाने के लिए आमंत्रित करके इस कारोबार को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। यह यात्रा WSKF अंतर्राष्ट्रीय गैर-ओलंपिक समिति और WeFaa और IICCI के चौंबर ऑफ कॉमर्स जैसे वैश्विक संगठनों की गतिविधियों का समर्थन करने और उन्हें बढ़ाने के लिए दुबई की क्षमता को रेखांकित करती है।

भाजपा सरकार नौकरियां और आरक्षण खत्म करने की कर रही साजिशः अखिलेश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का निजीकरण करके नौकरियां और आरक्षण खत्म करने की साजिश कर रही है। पहले केन्द्र की भाजपा सरकार ने कई सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में सौपा। अब उसी रास्ते पर चलते हुए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार भी निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। भाजपा सरकारें पूंजीपतियों के लिए काम करती है। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत निगम को निजी हाथों में देने पर अमादा है। सरकार निजीकरण की आड़ में अरबों की सम्पत्तियाँ पूंजीपतियों को देना चाहती है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान और आरक्षण विरोधी है। भाजपा पीडीए को नौकरियों और आरक्षण से दूर करने के लिए हर दिन नए-नए षड्यंत्र कर रही है। भाजपा की नीति पीडीए विरोधी है। वह पीडीए से नफरत करती है। निजीकरण से सरकारी नौकरियां खत्म हो जाती है। निजी क्षेत्र मनमानी करके महंगाई बढ़ाते है जिसका असर आम जनता पर पड़ता है। इसके साथ ही सरकारी संस्थाओं के निजी क्षेत्र में चले जाने से पीडीए को बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिए गए आरक्षण का अवसर नहीं मिलता है। भाजपा सरकार लूट, झूठ और बेईमानी की नीति पर काम कर रही है। आज भाजपा सरकार की इस नीति के खिलाफ कर्मचारी और आम जनता सभी है। लेकिन अपने चंदे, मुनाफा और लाभ के लिए भाजपा सब कुछ अपने करीबी पूंजीपतियों के हाथों में सौंपने को तैयार है। देश और प्रदेश की जनता भाजपा के षड्यंत्र को जान चुकी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा की जन विरोधी सरकार को हटाने के लिए संकल्पित है।

भारत में वीज़ा आवेदन 2024 में पिछले साल की तुलना में 11% बढ़े

➤ महामारी से पहले की तुलना में 4% अधिक है ये वृद्धि

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। भारत में 2024 में वीज़ा आवेदन 11त्र बढ़े हैं, जो पिछले साल की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि महामारी से पहले के स्तरों (2019) से भी 4त्र अधिक है, जो भारतीय यात्रियों की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के संकेत देती है। वीएफएस ग्लोबल ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अंतिम समय की भीड़ से बचने और धोखाधड़ी के जोखिम से बचने के लिए पहले से वीज़ा के लिए आवेदन करें। वीएफएस ग्लोबल की %वीज़ा एट योर डोरस्टेप% (VAYD) सेवा में भी भारी वृद्धि हुई है, जो यात्रियों को उनके घर से ही वीज़ा प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा देती है। 2024 में इस सेवा की मांग 2019 की तुलना में छह गुना बढ़ी है, और 2023 के मुकाबले 21त्र अधिक है। वीएफएस ग्लोबल भारत के 19 शहरों में 52 संप्रभु सरकारों के लिए वीज़ा सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने यात्रियों को यह भी चेतावनी दी है कि वे धोखाधड़ी करने वाली वेबसाइटों और सोशल मीडिया पेजों से सावधान रहें, जो वीएफएस ग्लोबल के नाम से वीज़ा सेवाएं या अपॉइंटमेंट बुकिंग शुल्क लेने का दावा करती हैं। इसलिए, वीज़ा आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुरक्षित बनाने के लिए, यात्रियों को पहले से आवेदन करने, धोखाधड़ी से बचने और उपलब्ध वैकल्पिक सेवाओं का लाभ उठाने की सलाह दी जाती है।

पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र में रविवार को पुरानी रंजिश में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस दोनों ओर से रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। बंथरा के रामचौरा गांव में रहने वाले कौशल कुमार रावत का कहना है कि वह अपने रविवार को पड़ोसी रितिक रावत के साथ रामचौरा रोड स्थित दुकान पर बाल कटवाने गया और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। तभी वहां पहुंचे औरावां के सौरभ सिंह और मुरली सिंह पुरानी बातों को लेकर मुझसे और रितिक से गाली गलौज करने के साथ लात घूसों व डंडों से मारने पीटने लगे। आरोप है कि मारपीट करने के बाद दोनों आरोपियों ने बाद में जान से मारने की धमकी दी। इस मारपीट में कौशल और रितिक चोटिल हो गए। उधर मुरली सिंह का कहना है कि वह बाल कटवाने आया था। तभी कौशल, रितिक और उनके चार-पांच अन्य साथी अचानक काली स्कॉर्पियो से वहां पहुंचे और उससे उतरकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर कौशल ने अपने साथियों के साथ मिलकर गाड़ी से लाठी डंडे निकाले और सर पर हमला कर दिया। जिससे वह चोटिल हो गया। आरोप लगाया कि इसी दौरान कौशल के पिता भी वहीं आ गए और उन्होंने भी मारा पीटा। साथ ही जान से मारने की धमकी दी। उसका कहना है कि इससे पहले भी वह उसके साथ मारपीट कर चुके हैं। इसको लेकर आरोपियों के खिलाफ पहले से ही बंथरा थाने में रिपोर्ट दर्ज है। उसी को लेकर रंजिश मानते हुए आरोपियों ने फिर से हमला कर दिया। फिलहाल बंथरा पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

आम के हरे-भरे पेड़ों पर चला लकड़ी माफिया का आरा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर में हरियाली के दुश्मन लगातार पर्यावरण पर हमला करने में जुटे हैं। वह अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे। सूत्रों का कहना है कि स्थानीय वन विभाग कर्मचारियों की सांठ गाँठ से वह आए दिन हरे–भरे पेड़ों को उजाड़ने में जुटे हैं। वही प्लाटिंग के चक्कर में आए दिन पेड़ों को धराशाई किया जा रहा है। ऐसा ही मामला सोमवार को सरोजनीनगर के न्यू रहीमाबाद स्थित शराफत नगर में पेश आया। जहां नए प्लाटों के बीच खड़े आम के कई हरे–भरे पेड़ों पर लकड़ी माफिया ने आरा चला दिया। उसने संबंधित विभाग से इसकी कोई परमिशन भी नहीं ली और रविवार रात से ही तमाम मजदूर लगाकर आनन फानन आम के 3 पेड़ गिरा दिए। लेकिन सोमवार को वन विभाग अधिकारियों को इसकी सूचना मिली तो वहां पहुंचे अधिकारियों ने इन्दू नामक लकड़ी ठेकेदार को मौके से काटी गई लकड़ी के साथ धर पकड़ा। सरोजनी नगर वन रेंजर एसएन सिंह का कहना है कि बिना परमिशन के इन्दू नामक लकड़ी ठेकेदार आम के हरे भरे पेड़ काट रहा था। पकड़े जाने के बाद उसके ऊपर 15 हजार रुपये का जुर्माना किया गया है।

ट्रक चालक के खिलाफ लाखों रुपए का चावल लेकर गायब होने की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर के कासिमखेड़ा, कुरौनी स्थित अदानी विल्मर लिमिटेड के मैनेजर आशीष कुमार द्विवेदी ने मुरादाबाद के हनुमान मूर्ति मोहल्ला निवासी ट्रक चालक बिलाल के खिलाफ लाखों रुपए कीमत का चावल लेकर गायब हो जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आशीष का कहना है कि कानपुर के हंसपुरम नौबस्ता निवासी ब्रोकर अंकित यादव ने उनके गोदाम से चावल बुक किया था। जिसमें से 25 लाख 88 हजार 964 रुपये कीमत का फॉर्चून बासमती चावल करनाल के लिए 26 फरवरी को बिलाल के ट्रक में लोड किया गया था। लेकिन ट्रक चालक बिलाल अभी तक चावल लेकर वहां नहीं पहुंचा। 28 फरवरी से उसका मोबाइल भी लगातार स्विच ऑफ बता रहा है। मैनेजर आशीष कुमार ने ट्रक चालक बिलाल के ऊपर सारा चावल लेकर फरार होने की आशंका जताई है। फिलहाल पुलिस ने आशीष की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

संपादकीय

जेलेंस्की-ट्रम्प विवाद से नये समीकरण

रूस के साथ पिछले तीन साल से जंग कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की तथा दुनिया के सबसे शक्तिशाली कहे जाने वाले देश अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच तीखी बहस ने दुनिया को हैरत में डाल दिया है। इसके कारण नये वैश्विक समीकरण बनते दिख रहे हैं। शुक्रवार की शाम को जेलेंस्की की ट्रम्प के साथ उनके ओवल कार्यालय में बैठक हुई थी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी साथ थे। बातचीत ने अप्रत्याशित मोड़ ले लिया जिसके कारण ट्रम्प के भोज को ठुकराकर जेलेंस्की अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ वहां से निकल गये। अमेरिका से जेलेंस्की यूनाइटेड किंगडम की राजधानी लंदन पहुंचे जहां उन्हें पूरे यूरोपीय देशों का समर्थन मिल गया। हालांकि उन्होंने बातचीत के लिये ट्रम्प का धन्यवाद किया है तथा ट्रम्प ने भी उनके अमेरिका छोड़ने के पहले ट्वीट किया है कि जब वे शांति की सोचें तो दोबारा आ सकते हैं। यह बहस तथा कौन सही है व कौन गलत, इसका विवाद एक ओर रख दें तो भी सारा विश्व हास्य कलाकार की भूमिका से राजनीति में आकर राष्ट्रपति बने जेलेंस्की की इस बात की प्रशंसा कर रहा है कि उन्होंने बगैर दबे जमकर बहस की तथा देश की सम्प्रभुता की दमदारी से रक्षा की। दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश रूस के साथ लम्बे समय से युद्धरत छोटे से देश यूक्रेन के संसाधन तेजी से चूक रहे हैं। देश का एक बड़ा हिस्सा रूसी बमबारी से तबाह हो चुका है। दुनिया भी अब शांति विराम चाहती है। वैसे खुद यूक्रेन के लिये स्वतंत्र अस्तित्व बनाये रखने हेतु यह जरूरी हो गया है क्योंकि इसे वापस रूस द्वारा अपने में शामिल कराये जाने का खतरा उसके सिर पर मंडरा रहा है। दूसरी बार जीतकर आने के बाद अब ट्रम्प की रुचि अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कम और व्यवसाय में ज्यादा है। यूरोप भी चाहता है कि युद्धविराम हो। इस सिलसिले में जेलेंस्की गये तो थे ट्रम्प को मनाने लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति ने उन पर आरोप लगाया कि वे विश्व को तीसरे महायुद्ध की ओर ले जा रहे हैं तथा एक तरह से एहसान जतलाया कि अमेरिका ने उन्हें 350 बिलियन डॉलर दिये हैं। उन्होंने यह भी ध्यान दिलाया कि अमेरिका यदि हथियारों की मदद नहीं करता तो यूक्रेन के लिये लड़ाई में दो हफ्ते भी टिकना मुश्किल था। इसकी ईमानदार स्वीकारोक्ति जेलेंस्की ने की लेकिन वे अपनी शर्तों पर अड़े रहे। जेलेंस्की को इस बात की भनक थी कि ट्रम्प स्थिति का फायदा उठाकर उनके देश के खनिज भंडारों से सम्बन्धित समझौता कराने के लिये दबाव डाल सकते हैं। वैसा हुआ भी। सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में प्रारम्भ हुई बातचीत के आखिरी 10 मिनटों में सब कुछ बदल गया जब ट्रम्प ने उनसे कहा कि वे युद्ध रोक दें। पूरी कूटनीतिक सतर्कता बरतते हुए जेलेंस्की ने कहा कि जब तक यूक्रेन की सुरक्षा की जिम्मेदारी अमेरिका नहीं लेता, वे ऐसा नहीं करेंगे। आगे यूक्रेन-अमेरिका सम्बन्ध क्या मोड़ लेते हैं, यह तो अगले कुछ दिनों में साफहो पायेगा, परन्तु आम तौर पर अमेरिका के पीछे चलने वाले सभी 27 यूरोपीय देशों ने एकता दिखाते हुए जेलेंस्की को अपना समर्थन दे दिया। इसे लेकर जल्दी ही उनकी एक बैठक होने जा रही है। आस्ट्रेलिया और कनाडा भी यूक्रेन के पक्ष में खड़े हैं। मदद किस स्वरूप में रहेगी, कितने हथियार और धन की सहायता मिलेगी यह कुछ दिनों में सामने आयेगा परन्तु यह यूक्रेन को बड़ा सम्बल प्रदान करेगी। दूसरी ओर इस मामले में रूस की जीत बतलाई जा रही है लेकिन उससे इसलिये बहुत फायदा नहीं होने जा रहा है क्योंकि यूक्रेन तो उससे पहले से ही युद्ध कर रहा है और जितना नुकसान रूस कर सकता था वह कर चुका है। अलबत्ता, यूक्रेन ने यूरोपीय देशों से अमेरिका को अलग करने में सफलता पा ली। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने 2.84 अरब डॉलर का ऋण रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिये दे दिया। जेलेंस्की ने कहा कि इस राशि का उपयोग हथियार बनाने के लिये किया जायेगा। ट्रम्प द्वारा यूक्रेन पर युद्धविराम के लिये दबाव डालना यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा, आस्ट्रेलिया आदि को नागवार तो गुजरा है, अमेरिका द्वारा रूस का एक तरह से अप्रत्यक्ष समर्थन उन्हें बिलकुल ही हजम नहीं हो सकता क्योंकि ज्यादातर देश पूंजीवादी व्यवस्था के समर्थक हैं जबकि रूस अब भी अलग खेमा माना जाता है, बावजूद इसके कि उसके अपने साम्यवादी विचारों में काफी लचीलापन आ चुका है और सोवियत संघ का विघटन हुए तीन दशकों से अधिक का वक्त गुजर चुका है। उसके पास अब केवल कम्युनिस्ट विचारधारा का इतिहास है और शासन प्रणाली। तो भी दुनिया, खासकर यूरोपीय संघ (ईयू), नाटो जैसे संगठन अमेरिका तथा रूस में यह नजदीकी देखने की आदी नहीं है। न उसे वह रुचिकर लगेगा। सम्भवतरू यही कारण है कि जेलेंस्की-ट्रम्प वार्ता के नाकाम होने के कुछ ही घंटों के भीतर यूक्रेन के साथ इतने देश खड़े हो गये।

नशे के खिलाफ युद्ध

लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ पंजाब सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध शुरू किया है। सरकार का दावा है कि तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत में किए जाते रहे हैं। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र-गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। सवाल यह है कि मान सरकार का नशे के कारोबार के खिलाफजारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिख पायेगा? उल्लेखनीय है कि मान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने नशामुक्ति और पुनर्वास प्रयास के साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के जरिये एक व्यापक रणनीति को अंजाम देने की कोशिश की है। इस अभियान में नशामुक्ति केंद्रों और डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की बिक्री को विनियमित करने पर ध्यान देकर एक कारगर पहल की गई है। हालांकि, इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर पाए हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में विगत में भी ऐसे दावे किए गए हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। निस्संदेह, उनकी सरकार ने भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिये भी वार्षिक दवा परीक्षण तथा अधिकारियों की नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकथाम की जवाबदेही शामिल थी। लेकिन उसके बावजूद नशीली दवाओं का संकट जारी रहा। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफशुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। इस कार्रवाई का शिकार वे लोग होते हैं जो नशीली दवाओं के अंतिम उपयोगकर्ता नशेड़ी होते हैं। जो आमतौर पर गरीब लोग होते हैं। वहीं दूसरी ओर नशे का बड़ा कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहता है। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। वहीं सुखद है कि हिमाचल सरकार ने छह माह में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने का संकल्प जताया है, जिसमें तस्करों की संपत्ति जब्त करने व संदिग्ध खातों की जांच भी शामिल है।

विपक्षी इंडिया गठबंधन देश के लोगों को कैसे निराश कर रहा है?

नित्य चक्रवर्ती

> “लोकतांत्रिक अधिकार कार्यकर्ता जगदीप एस. छोकर ने समाचार पोर्टल द वायर में अपने हालिया लेख में दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद वर्तमान चरण में भारतीय राजनीति की स्थिति पर अपने चार निष्कर्षों का उल्लेख किया है”

लोकतांत्रिक अधिकार कार्यकर्ता जगदीप एस. छोकर ने समाचार पोर्टल द वायर में अपने हालिया लेख में दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद वर्तमान चरण में भारतीय राजनीति की स्थिति पर अपने चार निष्कर्षों का उल्लेख किया है। उनके चार निष्कर्ष हैंरू पहला, भाजपा भारत में विपक्ष-मुक्त राजनीतिक परिदृश्य को लगभग प्राप्त कर रही हैय दूसरा, ऐसा लगता है कि यह विपक्षी दलों को खत्म करके और संस्थागत कब्जे से हासिल किया गया हैय तीसरा, विपक्षी दलों ने देश और उसके लोगों को निराश किया हैय और चौथा, भारत के लोगों ने देश को निराश किया है। हालांकि, श्री छोकर के निष्कर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के शासन के विश्लेषण पर आधारित है, लेकिन वे अपने अंतिम निष्कर्ष बिंदु पर सही नहीं थे कि भारत के लोगों ने भाजपा को सत्तारूढ़ पार्टी के रूप में चुनकर देश को विफल कर दिया है। उनका बिंदु बी आर अंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद की टिप्पणियों पर आधारित था, जिन्होंने संविधान के लिए काम करने वाले लोगों को चुनने वाले लोगों के महत्व को रेखांकित किया था। चूंकि भारत के मतदाताओं ने उस पार्टी को शासन करने के लिए चुना है जो संविधान को कमजोर कर रही है, इसलिए उन्होंने देश को विफल कर दिया है। श्री छोकर 2025 में भारतीय राजनीति का आकलन करने में बहुत अधिक निराशावाद दिखा रहे हैं। वास्तव में भारत के लोगों ने देश को विफल नहीं किया है। वे अभी भी सतर्क और चुस्त हैं, लेकिन विफलता ज्यादातर विपक्षी इंडिया ब्लॉक के सही एजेंडे और संगठनात्मक क्षमता के साथ लोगों तक पहुंचने में असमर्थता के कारण है। भारतीय जनता ने 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को बहुमत न देकर और भाजपा और संघ परिवार के चौतरफा प्रचार और भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में केंद्र की स्वायत्त संस्थाओं के पूर्ण दुरुपयोग के बावजूद उसकी लोकसभा सीटों की संख्या को पहले के 303 से घटाकर 240 पर लाकर अपने सतर्क रवैये का परिचय दिया है। यह देश के जीवंत लोकतंत्र और सतर्क मतदाताओं का प्रदर्शन था। दिल्ली विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) को हराकर भाजपा की जीत निश्चित रूप से विपक्षी इंडिया ब्लॉक के लिए एक झटका है, लेकिन इसका मतलब आप का अंत या इंडिया ब्लॉक के लिए अंतिम तिनका नहीं है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया और टीवी चौनलों के कुछ टिप्पणीकार पेश कर रहे हैं। जिन लोगों ने दिल्ली के मतदाताओं के मूड का अध्ययन किया है, वे जानते हैं कि 2025 के चुनावों में, भाजपा को हराकर सत्ता बरकरार रखना आप के लिए बहुत कठिन होगा, क्योंकि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी के दो कार्यकाल पूरे होने के बाद सत्ता विरोधी लहर थी। अंतिम निर्णायक बात यह रही कि मतदान से चार दिन पहले 1 फरवरी को घोषित 2025-26 के केंद्रीय बजट में आयकर में बड़ी छूट दी गयी और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की गयी। इंडिया ब्लॉक की दोनों पार्टियों आप और कांग्रेस के वोटों को मिलाकर आप-कांग्रेस गठबंधन को लगभग 50 प्रतिशत वोट मिले और सीटों के मामले में, अगर गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक के खाते में 14 और सीटें आतीं। इसका मतलब है कि अगर आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक कुल 70 सीटों में से 36 सीटें जीतकर मामूली जीत हासिल कर सकता था। इसके अलावा, आप ने दलितों, गरीबों और मुसलमानों के अपने आधार को बरकरार रखा, जैसा कि निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान पैटर्न के विश्लेषण से पता चलता है। यह फैसला मतदान के दिन आप से भाजपा की ओर बड़े पैमाने पर मध्यम वर्ग के झुकाव का नतीजा था, जबकि गरीब कमोबेश आप और कांग्रेस के साथ खड़े थे। इसलिए, इस विचार से घबराने की कोई बात नहीं है कि भाजपा का रथ अजेय बनकर उभरा है। इंडिया ब्लॉक से लोकसभा चुनाव और उसके बाद के राज्य विधानसभा चुनाव परिणामों से उचित सबक लेने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया, इसके बजाय, इंडिया ब्लॉक के घटक उन राज्यों में सार्वजनिक रूप से झगड़े में लगे रहे, जहां लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन के बावजूद उनका प्रदर्शन खराब रहा। महाराष्ट्र में, अभी भी इंडिया ब्लॉक के सहयोगियों के बीच मतभेद जारी हैं। एनडीए की चुनौती का सामना करने के लिए मजबूत नेतृत्व के तहत इंडिया ब्लॉक को एकजुट करने और मतभेदों को दूर करने का गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता थी।

इंदिरा जैसी हिम्मत नहीं दिखा पाए मोदी

शकील अख्तर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बेहद खतरनाक शुरूआत कर दी। पुराने राष्ट्रपति (सरकार) के फैसलों को हम क्यों मानें?

ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ हुई बातचीत, जो दुनिया भर में वायरल हुई और आखिरी दौर में बातचीत कम हम भारतीयों के हिसाब से सास-बहू के झगड़े की तरह थी, में कहा कि हमारे एक मूर्ख राष्ट्रपति (जो बाइडन) ने आपको रूस से लड़ने के लिए 350 अरब डालर दे दिए। संभवतरू यह पहली बार है जब अन्तरराष्ट्रीय मामलों में इस तरह कैमरों के सामने कटु विवाद हो और एक बड़े देश का राष्ट्रपति अपने पूर्व राष्ट्रपति को मूर्ख कहे उसके अन्तरराष्ट्रीय फैसलों को मानने से इनकार करे। बाबा भारती की कहानी याद आती है कि फिर कौन यकीन करेगा? सुदर्शन की मशहूर कहानी हार की जीत में बाबा भारती कहते हैं कि अगर इस तरह धोखे हुए तो फिर कौन बात का यकीन करेगा? हालांकि अपने पूर्ववर्तियों को कुछ नहीं बताने का सिलसिला हमारे वाले पहले ही शुरू कर चुके हैं। ट्रंप ने तो अपने पूर्ववर्ती के लिए जो कुछ कहा अपने देश में ही कहा हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी इससे बहुत बड़ी बात विदेश में कह आए थे कि 2014 से पहले भारत में पैदा होना शर्म की बात थी। प्रधानमंत्री बनते ही 2015 में दक्षिण कोरिया में मोदी जी ने यह कहा था। और उसके बाद तो उनके भक्तों ने यह बताना शुरू कर दिया था कि भारत आजाद ही 2014 में हुआ। यह कहने वाली फिल्म एक्ट्रेस कंगना रनौत को फिर ईनाम के तौर बीजेपी का लोकसभा टिकट दे दिया गया। और वे सांसद बन गईं। प्रसंग आया है तो यह और बता दें कि सांसद बनने के बाद अभी उन्हें कोर्ट में प्रसिद्ध लेखक जावेद अख्तर से माफी मांगनी पड़ी। हालांकि यह शीर्षक किसी अखबार या टीवी चौनल में नहीं दिखा कि भाजपा सांसद कंगना रनौत ने माफी मांगी! खबर को दबा कर दिया गया कि मामला निपटा। और अगर किसी कांग्रेस के या विपक्ष के किसी सांसद ने माफी मांगी होती तो यह गोदी मीडिया किस तरह खुश होकर शोर मचाता? खैर 2014 में भारत आजाद हुआ कहने वाली कंगना को सांसदी का पुरस्कार मिल गया अब उनके बाद दूसरे जिसने कहा कि 1947 की आजादी दरअसल 99 साल के पट्टे पर मिली थी उसे मिलना शेष है। यह बात संघ और भाजपा अपने लोगों को आपसी बातचीत में बताते रहते हैं। मगर इसे सार्वजनिक रूप से जिसने कहा उसे अभी पुरस्कार नहीं मिला है। मिलेगा! शायद तय हो रहा है कि कितना बड़ा पुरस्कार देना है। तो ट्रंप ने दुनिया को यह मैसेज दे दिया कि उनके शासनकाल में किसी भी देश से जो भी एग्रीमेंट होगा, अन्तरराष्ट्रीय संधि होगी वह केवल तब तक ही लागू रहेगी जब तक वे कुर्सी पर हैं। बाद वाला उसे इसी तरह करने वाले को मूर्ख कहकर नकार सकता है जैसा मैं यूक्रेन के मामले में कर रहा हूं। यूक्रेन को रूस से लड़ाया किसने? अमेरिका ने! और आज उसके राष्ट्रपति ट्रंप कह रहे हैं समझौता कर लो। वह तो यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की सुन ही नहीं रहे कि उससे शांति होगी। हमारे ऊपर बाद में हमला न होने की गारंटी होगी। क्या होगा? कुछ नहीं। हमने कहा मान लो। डिप्लोमेसी का सबसे बड़ा मैसेज। कि यहां कोई किसी पर विश्वास नहीं करे। अपने स्वार्थ, नए बन रहे संबंध, दूसरे की कम हो रही उपयोगिता इन सब आधारों पर कोई भी किसी को छोड़ सकता है। और एकदम मंझधार में! जैसा यूक्रेन को छोड़ा। कहीं का नहीं रहा वह। रूस अब अपनी शर्तों पर समझौता करेगा। सबसे ज्यादा झंडा उसी का बुलंद रहा। अमेरिका ने माना कि तुम दो हफ्ते नहीं लड़ सकते थे उससे। जिस अमेरिका की दम पर वह रूस को सबक सिखाने की बात कर रहा था उसी अमेरिका ने अब उसे सबक सिखा दिया कि कोई किसी का नहीं होता। हम यह बात पहले से जानते थे। नेहरू का नान अलायंस मूवमेंट (गुट निरपेक्ष आंदोलन) आज सबको याद आ रहा होगा। नेहरू न रूस के साथ न अमेरिका के। मगर उनके साथ दुनिया के 120 देश। ट्रंप इसी बातचीत में जेलेंस्की से कह रहे हैं कि तुम दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की तरफ धकेलना चाहते हो। उस समय जब अमेरिका और रूस में भयानक शीत युद्ध चल रहा था तो यह 120 गुटनिरपेक्ष देशों का संगठन ही था जिसने दोनों महाशक्तियों को रोक कर रखा था।

आज हम खुद ही खुद को विश्व गुरु कहने लगे। और हमारे प्रधानमंत्री को ही सामने बिठाकर ट्रंप ने ऐसे ही खूब खरी खोटी सुनाई थी। वायलेटर कहा था। टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी। ब्रिक्स जिसका भारत सदस्य है उसे खत्म करने की बात कही। यानी जो मुंह में आया कहा। और हमारे प्रधानमंत्री मुस्कराते हुए सब चुपचाप सुन रहे थे। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने हाथ पकड़ कर ट्रंप को रोक दिया। और अपने देश का यूरोप का पक्ष रखा। ऐसे ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने तो यहां तक कह दिया कि यह युद्ध आपकी धरती पर भी आ सकता है। सबने तुर्की ब तुर्की जवाब दिए। यहां हमारे वाले तो केवल अपनी तीखी जबान का उपयोग नेहरू-इन्दिरा को कोसने के लिए करते हैं। पता नहीं उन्हें कोई बताने वाला है या नहीं। हमारी विदेश सेवा में तो एक से एक काबिल अफसर हैं, खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर रहे हैं आईएफएस। विदेश सेवा में सबसे उच्च पद विदेश सचिव तक रहे। उन्हें तो मालूम होगा कि 1971 में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन से इसी व्हाइट हाउस में इन्दिरा गांधी ने कितने तीखे अंदाज में बात की थी। अमेरिका की विदेश नीति के बारे में सवाल पूछे थे। वे इसके कुछ साल बाद ही जब विदेश सेवा में आए तो उस समय इन्दिरा गांधी की अन्तरराष्ट्रीय राजनीति में दृढ़ता और भारतीय हित सर्वोपरि रखने की बात साउथ ब्लाक (विदेश मंत्रालय) में सब जगह एक गर्व के साथ कही जाती थी। प्रसिद्ध लेखिका कैथरीन फ्रैंक ने लिखा है कि भारत की प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने इस अंदाज में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन से बात की थी जैसे एक प्रोफेसर अपने किसी पढ़ाई में दिल नहीं लगाने वाले स्टूडेंट से करता है। इन्दिरा गांधी की दृढ़ता ने तो अमेरिका के सातवें बेड़े को वापस लौटा दिया था। जो पाकिस्तान की मदद करने के लिए आ रहा था। और यहां मोदी के जाने के बाद दो और अमेरिकी सेना के जहाजों में भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ियों के साथ लाया गया। उनके जाने से पहले एक जहाज आ चुका था। हथकड़ी-बेड़ियों से बंधे भारतीयों को लेकर।

मेष:- किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत-प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

बृषभ:- परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में आलस्य ना करे।

मिथुन:- परम्पराओ व संस्कारों कें प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा।

कर्क:- किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंह:- घर-परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

कन्या:- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुला:- आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

वृश्चिक:- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका-चौंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनु:- अपनी वाणी पर नियंतण्ररखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

मकर:- कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ:- मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीन:- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अत: इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

आयकर सुधार की ऐतिहासिक पहल

डा. जयंतीलाल भंडारी

> **नए आयकर विधेयक में गलत या अधूरी जानकारी देने पर भारी जुर्माना सुनिश्चित किया गया है। जानबूझकर टैक्स चोरी करने वालों पर मुकदमा चलाया जा सकता है। बकाया टैक्स का भुगतान न करने पर अधिक ब्याज और पेनल्टी है। आय छिपाने पर अकाउंट सीज और संपत्ति जब्त करने के अधिकार होंगे। इन सबसे आयकर संग्रहण बढ़ेगा और ईमानदार करदाताओं को लाभ होगा। निश्चित रूप से एक अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए आयकर कानून की वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर होगी कि इस कानून को कितने कारगर तरीके से लागू किया जाता है**

हाल ही में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा लोकसभा में पेश किया गया नया आयकर विधेयक भारत की आयकर व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता के साथ-साथ राजस्व बढ़ाने के लिए एक बड़ी कोशिश का अहम हिस्सा है। वित्तमंत्री सीतारमण ने पिछले वर्ष जुलाई 2024 के बजट भाषण में कहा था कि मौजूदा आयकर कानून की कई धाराएं अपनी प्रासंगिकता खो चुकी हैं। ये धाराएं विशेष आर्थिक क्षेत्र, दूरसंचार, पूंजीगत लाभ सहित कर छूट एवं कटौती जैसे मामलों में कारगर नहीं रह गई हैं। साथ ही इसके तहत कानूनी जटिलताएं कर अनुपालन में मुश्किलें और मुकदमेबाजी में लगातार वृद्धि हुई है। ऐसे में नया आयकर विधेयक कानून बनने के बाद आयकर कानून 2025 के रूप में एक अप्रैल 2026 से मौजूदा आयकर कानून 1961 की जगह ले लेगा। यदि हम देश में आयकर का इतिहास देखें तो पाते हैं कि वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन द्वारा आयकर की शुरुआत की गई थी, लेकिन देश में एक सुव्यवस्थित कर प्रणाली के रूप में वर्ष 1922 में व्यापक आयकर कानून लागू हुआ, जिसने सही मायनों में न केवल विभिन्न आयकर प्राधिकरणों को औपचारिक रूप प्रदान किया, बल्कि एक सुव्यवस्थित प्रशासनिक रूपरेखा की नींव भी रखी। वर्ष 1961 में मौजूदा आयकर कानून लागू किए जाने के बाद से अब तक आयकर कानून की विभिन्न कमियों को दूर करने के लगातार छोटे-छोटे प्रयास किए जाते रहे। खासतौर से 1981 में कम्प्यूटरीकरण की शुरुआत के साथ हुई तकनीकी प्रगति ने इलेक्ट्रॉनिक रूप से आयकर चालान की प्रोसेसिंग करने पर ध्यान केंद्रित किया। इस परिप्रेक्ष्य में वर्ष 2009 में ई-फाईल और पेपर रिटर्न की व्यापक प्रोसेसिंग को संभालने के लिए सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर (सीपीसी) की स्थापना की गई। पिछले एक दशक से आयकर कानून में जो अहम सुधार किए गए हैं, उससे जहां आयकरदाताओं को सुविधा मिली, वहीं आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने में भी मदद मिली है। इन सुधारों में प्रमुख रूप से करदाता चार्टर (टैक्सपेयर चार्टर) और पहचान रहित समीक्षा (फेसलेस असेसमेंट) तथा करदाताओं के लिए पहचान रहित अपील (फेसलेस अपील) व्यवस्था महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नॉन फाइलर्स, मॉनिटरिंग सिस्टम (एनएमए) के जरिए ऐसे लोगों की पहचान की जाती है जिन्होंने हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन किया है, पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया है। इन विभिन्न प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या और आयकर संग्रह में तेज वृद्धि देखी गई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। वस्तुत- कर संग्रह में तेज वृद्धि से बुनियादी ढांचे, सामाजिक सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरकार की क्षमता बढ़ती है। सरकार की मुट्ठियों में बढ़ता कर राजस्व न केवल अर्थव्यवस्था के नवनिर्माण में मदद करता है, बल्कि यह सरकार को अपने करदाताओं के प्रति जवाबदेह भी बनाता है। साथ ही यह वित्तीय वर्ष की बेहतर योजना और बजट बनाने में मदद करता है। खासतौर से इस समय जब वर्ष 2047 में देश को विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा गया है, तब जीडीपी में आयकर का योगदान बढ़ाया जाना जरूरी दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि आयकर संबंधी विभिन्न मुश्किलों और चुनौतियों के निराकरण के लिए नए आयकर विधेयक में प्रभावी प्रावधान दिखाई दे रहे हैं। नए आयकर विधेयक को संक्षिप्त, स्पष्ट तथा पढ़ने-समझने में आसान बनाते हुए 23 अध्यायों में समेटा गया है। इस विधेयक में 622 पृष्ठ हैं, जबकि मौजूदा कानून में 823 पृष्ठ हैं। शब्द संख्या भी घटाई गई है। मौजूदा कानून के 5.20 लाख शब्दों से घटाकर नए विधेयक में केवल 2.60 लाख रखी गई है। मौजूदा कानून में आरंभ में केवल 298 धाराएं थीं, मगर प्रावधान जुड़ते गए और अब कुल 819 धाराएं हो गई हैं। नए विधेयक ने इन्हें घटाकर 536 कर दिया है। नए आयकर विधेयक में 'चार्टर ऑफ टैक्सपेयर्स' है, जिससे कर व्यवस्था में विश्वास और पारदर्शिता बढ़ेगी। वेतनभोगी करदाताओं के लिए विभिन्न प्रावधानों को सहज बनाते हुए हर तरह की कटौती को एक ही धारा के तहत रख दिया गया है। नए विधेयक में मुकदमेबाजी कम करने और टैक्स मामलों को जल्दी सुलझाने पर ध्यान दिया गया है। पुराने कानून में इस्तेमाल किए गए जटिल शब्दों को सरल बना दिया गया है। अब 'असेसमेंट ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' होगा।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों ने शक्ति भवन का किया घेराव

⇨ निजीकरण के पीछे भारी भ्रष्टाचार को देखते हुए मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील

संवाददाता

फतेहपुर। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के आव्हान पर सहित पूरे प्रदेश में विरोध सभाएं आयोजित की गईं। संघर्ष समिति ने बिजली के निजीकरण के पीछे भारी भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की है कि वे प्रभावी हस्तक्षेप कर निजीकरण की प्रक्रिया निरस्त कराने की कृपा करें। संघर्ष समिति के आह्वान पर हजारों बिजली कर्मचारियों ने शक्ति भवन, मुख्यालय का घेराव कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बिजली कर्मियों के विरोध प्रदर्शन के चलते निजीकरण हेतु ट्रांजैक्शन कन्सल्टेंट नियुक्त करने की टेक्निकल बिड नहीं खोली जा सकी। आज हाइडिल कॉलोनी स्थित अधीक्षण अभियंता कार्यालय में समिति के पदाधिकारी श्रवण सिंह, शिवा चौरसिया, राजेश कुशवाहा, जयसिंह, सुरेश मौर्य, सुनील कुमार, नरेंद्र सिंह ने कहा कि जब तक निजीकरण की चल रही प्रक्रिया पूरी तरह निरस्त नहीं की जाती तबतक संघर्ष जारी रहेगा। बिजली के निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन का आज 96वाँ दिन है। इससे ट्रांजेक्शन कंसलटेंट की नियुक्ति में भी भ्रष्टाचार की आशंका बलवती हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्राविधान को हटाकर किये जा रहे निजीकरण में भारी घोटाला होने वाला है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की 42 जनपदों की परिसम्पत्तियों का आज तक कोई मूल्यांकन नहीं किया गया है। साथ ही इन दोनों निगमों के रेवेन्यू पोटेंशियल का आंकलन भी नहीं किया गया है। संघर्ष समिति ने कहा कि रेवेन्यू पोटेंशियल का आंकलन किये बिना और परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन किये बिना निजीकरण की प्रक्रिया जारी रखना इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के सेक्शन 131 का खुला उल्लंघन है। ट्रांजेक्शन कंसलटेंट नियुक्त करने में कॉन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्ट के प्राविधान को हटाना सीवीसी की गाइडलाइन्स का उल्लंघन है। संघर्ष समिति की सभाओं में आज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर पूरा विश्वास व्यक्त किया गया। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि निजीकरण जैसे मामले पर बड़े घोटाले की आशंका के मद्देनजर वे प्रभावी हस्तक्षेप कर निजीकरण की सारी प्रक्रिया निरस्त करने की कष्ट करें।

नहर में फसे मृत जानवरों के शव से फैली रही दुर्गन्ध से ग्रामीण हो रहे परेशान

संवाददाता

फतेहपुर। देवमई विकास खंड के निचली रामगंगा नहर पुल मे कूड़ा कचरा के साथ फसे दो दर्जन से अधिक मृत मवेशियों के शवो की दुर्गन्ध से लोग परेशान है। नहर विभाग की उदासीनता से एक हफ्ते से राहगीरो का निकलना दुश्वार हो रहा है।देवमई विकास खंड के हिरइखेड़ा-बैरागीखेड़ा संपर्क मार्ग को जोड़ने वाला निचली रामगंगा नहर में बने पुल में एक हफ्ते से मृत मवेशियों के दो दर्जन से अधिक शव फँसे है।सकरे पुल में कूड़े कचरे के साथ मृत मवेशियों के शव सड़ गए है।कौवा व कुत्ते शवो को नोच नोच कर खा रहे है।मवेशियों के शवो की सड़ांध से आसपास के लोग व राहगीर खासा परेशान है।लोगो का कहना है की नहर विभाग के अधिकारी उदासीन है कोई ध्यान नही दे रहा है।हुडरा गाँव के सुधीर ने बताया शवो को साफ कराया जाए जिससे दुर्गन्ध से राहत मिल सके।पहरवापुर के शिवम सिंह ने कहा यहाँ से निकलने पर सांस लेना दुश्वार है।जानवरो के शव पुल मे फँसे है जिनके सड़ने से फैली दुर्गन्ध बीमारियों को दावत दे रही है।नहर विभाग के अधिकारी राजेंद्र बाबू से फोनिक वार्ता की गई तो कहा जल्दी शवो को हटवाया कर सफाई कराई जायेगी।

गंगा टास्क फोर्स की अगुवाई में मनाया गया विश्व वन्य जीव दिवस

कानपुर। महाराजपुर स्थित ऑक्सफोर्ड मॉडल सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में भारतीय सेना 137 सीईटीएफ बीएन टीए 39 जीआर (गंगा टास्क फोर्स) के नेतृत्व में विश्व वन्य जीव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिवस विद्यालय के डायरेक्टर आलोक शर्मा व गंगा टास्क फोर्स से सूबेदार समरजीत सिंह, प्रधानाचार्य मनीष तिवारी, सत्यार्थ विक्रम ने मां सरस्वती पूजन कर दीप प्रज्वलित कर किया। गंगा टास्क फोर्स से सूबेदार ने विश्व वन्यजीव दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी, उन्होंने बताया कि 3 मार्च को विश्व भर में वन्य जीव दिवस के रूप मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वन्यजीवों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के महत्व को बढ़ावा देना है। यह दिन हमें वन्यजीवों के अस्तित्व को बचाने और उनके संरक्षण के लिए वैश्विक जागरूकता फैलाने का अवसर प्रदान करता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2013 में इसकी शुरुआत की गई थी, और तब से यह हर साल मनाया जा रहा है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों की रक्षा करना और प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना है। विद्यालय के डायरेक्टर आलोक शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी को वनों की कटाई रोकना चाहिए, अधिक से अधिक हरे पे?-पौधे लगाना चाहिए ताकि वन रहेंगे तो पशु-पक्षी व जीव-जंतु रहेंगे, कहा कि वनों की कटाई होने से पशु-पक्षी व जीव-जंतु धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे है। इस दौरान गंगा स्वच्छता के बारे में भी जानकारी दी। यहां मौजूद लोगों को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस दौरान गंगा टास्क फोर्स ने छात्रों व विद्यालय स्टाफ को पौधे भेंट किए। मंच का संचालन नमामि गंगे से रामशंकर तिवारी ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अनुराधा सहित सैक?ों की संख्या में छात्र-छात्राएं एवं विद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाएं सहित सेना के जवान मौजूद रहे।

श्री राम भक्त सेवा समिति के 12वीं बार लगातार अध्यक्ष बने ओम जी हिंदू, हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

बिंदकी फतेहपुर। श्री राम भक्त सेवा समिति के लगातार 12वीं बार अध्यक्ष बने ओम जी हिंदू का लोगों ने स्वागत किया।ओम जी हिंदू ने बताया कि 6 अप्रैल को रामनवमी के मौके पर गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा प्रभु श्री राम की निकाली जाएगी इस बार शोभा यात्रा मां ज्वाला देवी मंदिर से प्रारंभ की जाएगी। नगर के गांधी चौराहे में लगातार 12वीं बार श्री राम भक्त सेवा समिति के अध्यक्ष बने ओम जी हिंदू का सोमवार को दिन में करीब 3 बजे स्वागत किया गया। इस मौके पर श्री राम भक्त सेवा समिति के अध्यक्ष ओम जी हिंदू ने बताया कि 6 अप्रैल को श्री रामनवमी के मौके पर दिन की कस्बे में विशाल भव्य शोभायात्रा प्रभु श्री राम की निकाली जाएगी उन्होंने बताया कि इस बार यात्रा का शुभारंभ श्री रामलीला मैदान से न होकर बिंदकी कस्बे के मोहल्ला पुरानी बिंदकी स्थिति मां ज्वाला देवी परिसर से होगा। यहां से शोभायात्रा दिन की कस्बे के प्रमुख मार्ग में गाजियाबाद के साथ घूमेगी उन्होंने बताया की श्री राम भक्त सेवा समिति लगातार 15 वर्षों से यह कार्यक्रम करती आ रही है वह 12वीं बार लगातार अध्यक्ष बने हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष मधुराज विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, जिला मंत्री रोहित कश्यप सभासद, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष सत्यम अग्रवाल, शशांक गुप्ता, अमित तिवारी ,अवधेश कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

बारातजा रहे व्यक्ति की संदिग्ध व्यवस्था में मौत

संवाददाता

बिंदकी/फतेहपुर। पैदल चलकर बारात में शामिल होने जा रहे व्यक्ति की रास्ते में संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां पर चिकित्सक ने मृत्यु घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के अंतर्गत जोनिहा कस्बे के अमोली रोड में रविवार की रात को एक व्यक्ति पुत्तन यादव उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र राजाराम यादव निवासी जोनिहा कोतवाली बिंदकी जनपद फतेहपुर का शव संदिग्ध अवस्था में देखा गया तो हड़कंप मच गया। लोगों को जानकारी हुई तो जीवित रहने की आशा पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ले जाया गया जहां पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मामले की जानकारी परिजनों को रविवार व सोमवार की मध्य रात्रि करीब 12:00 बजे हुई तो परिजन भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी पहुंचे।

पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह का आयोजन 25 मार्च को

संवाददाता

फतेहपुर। कर्नल दिनेश कुमार शर्मा (अ.प्रा.) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, फतेहपुर ने बताया कि जनपद के समस्त पूर्व सैनिकों/ उनकी विधवाएं/वीर नारियों व आश्रितों को सूचित किया जाता है, कि जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय प्रागंण, फतेहपुर में पूर्व सैनिक पुनर्मिलन समारोह का आयोजन 25 मार्च, 2025 को प्रातः 10 बजे से किया जाएगा। जिसमें निम्नलिखित सुविधाए उपलब्ध होना है। (क) पूर्व सैनिकों के आँखों की देखभाल के लिए (आई कैम्प) (ख) पूर्व सैनिकों के दाँतों की देखभाल के लिए (डेन्टल कैम्प) (ग) ई0सी0एच0एस0 स्टाल (घ) स्वतः रोजगार कक्ष (च) सूचना पट (जहाँ सभी कल्याणकारी सूचनाएँ प्रदर्शित होगी) (छ) सी0एस0डी0 कैन्टीन (ज) पूर्व सैनिक कल्याण निगम (पूर्व सैनिकों एवं आश्रितों को रोजगार तथा प्रशिक्षण हेतु) काउन्टर (ट) खान-पान अपील की गई है कि साथ में इस कार्यालय द्वारा जारी पूर्व सैनिक पहचान पत्र, के साथ उपरोक्त कार्यक्रम में उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ उठायें।

मुसाफा के बूढ़ेनाथ स्वामी वार्षिक रुद्र महायज्ञ में 30बटुकों का हुआ उपनयन संस्कार

संवाददाता

फतेहपुर। बकेवर क्षेत्र के मुसाफा गाँव मे बाबा बूढ़ेनाथ स्वामी मंदिर में 42वें वार्षिक रुद्र महायज्ञ एवं रासलीला महोत्सव में श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। सोमवार को 3 बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न हुआ। जिसमें आचार्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बटुकों को जनेऊ धारण कराया। इस अवसर पर परिवारजनों और श्रद्धालुओं ने आशीर्वाद देकर मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। महिलाओं ने भीखी डालकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। मंगलवार को यज्ञ की पूर्णाहुति होगी, जिसमें 251 घी से भरे गोले अग्निदेव को समर्पित किए जाएंगे। श्रद्धालु पूरे विधि-विधान से आहुति अर्पित करेंगे और यज्ञ मंडप की परिक्रमा करेंगे। इसके बाद भंडारे में हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। वही रविवार की रात माखन चोरी लीला और सोमवार को गोविंद श्रृंगार लीला के मंचन ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। सोमवार की रात कंश वध लीला का भव्य मंचन हुआ, जिसमें श्रीकृष्ण द्वारा अत्याचारी कंश के वध का सजीव चित्रण देख भक्त रोमांचित हो उठे। मंगलवार को रासलीला का अंतिम मंचन होगा, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु उत्सुक हैं। बाबा बूढ़ेनाथ मंदिर में यह आयोजन श्रद्धालुओं को आध्यात्मिकता, संस्कार और भक्ति से जोड़ने का अवसर बना हुआ है। इस अवसर पर सोमनाथ तिवारी, राजकिशोर तिवारी, गौरव शुक्ला, अमित तिवारी, संजय तिवारी, हर्षित, दीपक, मनू, प्रतीक, प्रशांत, वीरता, आयुष सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीढ़ी से गिर कर घायल युवक की इलाज के दौरान दूसरे दिन हुई मौत

संवाददाता

बिंदकी/फतेहपुर। शादी समारोह में शामिल होने आया युवक एक दिन पहले सीढ़ी से गिरकर गंभीर घायल हो गया था जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। चिकित्सक ने हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल फतेहपुर रेफर कर दिया था। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई । परिजन मृतक का शव अपने गांव ले गए। जानकारी के अनुसार बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के नंदौली गांव में एक दिन पहले रविवार को रिश्तेदारी में शादी विवाह कार्यक्रम में शामिल होने आया युवक नीर सिंह राजपूत उम्र 22 वर्ष पुत्र विजयपाल राजपूत निवासी ग्राम चित्तापुर थाना कल्याणपुर सीढी से गिरकर घायल हो गया था । जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिन्दकी में भर्ती कराया गया। सोमवार की दोपहर को हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जहाँ जिला अस्पताल में उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

फतेहपुर।जनपद के ग्राम महाखेड़ा में कलश यात्रा का शुभारंभ हुआ, जिसमें वृंदावन वाले अनुज कुमार शास्त्री द्वारा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ कल दोपहर 2:00 बजे से 6:00 बजे शाम तक भागवत कथा अनुज कुमार शास्त्री द्वारा उद्बोधित होगी। जिसमें परीक्षित ज्ञान सिंह गौर मध्यांचल उपाध्यक्ष किसान यूनियन टिकैत गुट एवं ध्यान सिंह पत्नी नूतन सिंह के द्वारा भागवत कथा का आयोजन किया गया। आज महखेड़ा से कलश यात्रा चलकर जमुना घाट कोंडार से जल लेकर वापस महाखेड़ा आनदेश्वर मंदिर में वापस हुई। इस अवसर पर कंचन सिंह प्रदेश महासचिव, मधुसूदन तिवारी, हिमांशु अनुज सिंह, पप्पू सिंह, सौरभ सिंह, श्रीमती रामवती सिंह, विजय बहादुर, चंपा देवी, प्रेम सिंह, आदेश, मानसिंह, अभिमन्यु सिंह, काव्या सिंह, सक्षम सिंह, सहित समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

उद्योग व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश कार्यकारणी की हुई बैठक

संवाददाता

फतेहपुर। उद्योग व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश कार्यकारणी की बैठक नीलकंठ पैलेस पटेल नगर फतेहपुर में संस्थापक अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया 1 अप्रैल 25 से सदस्यता अभियान चलाकर प्रथम चरण में 10 हजार व्यापारीयों को संगठन का बनाया जाएगा। साथ ही 31 मार्च के पूर्व प्रदेश इकाई का गठन किया जाएगा उपरान्त मण्डल कमेटी जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। बैठक में कार्यकारणी सदस्य हंसराज सोनी,अनिल वर्मा, चन्द्र प्रकाश, बब्लू गुप्ता, अभिषेक रायजादा, वकील अहमद , विनोद साहू, नरेश गुप्ता,मनोज मिश्रा ,मो इमरान सेराज अहमद खान, माधवेंद्र प्रताप सिंह, प्रभाकर सिंह चौहान, मो अंजुम उपस्थित रहे।

युवक की जहर खाने से संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

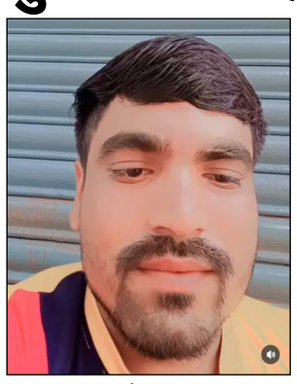

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के घनघौल के रहने वाले राम खेलावन मौर्य का 28 वर्षीय पुत्र धनंजय कुमार मौर्य ने घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खा लिया। जब हालत गंभीर हुई तो परिजन इलाज के लिए जिले के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टर ने कानपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया था। मेडिकल कालेज पहुंचने से पहले ही रास्ते में युवक की मौत हो गई। जिसके बाद परिजन शव लेकर घर आ गए। मिली जानकारी के अनुसार मृतक के बड़े भाई नीरज कुमार मौर्य ने थाना पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि मेरे भाई धनंजय कुमार मौर्य की शादी कीर्ति मौर्य पुत्री रामकरन मौर्य निवासी कोराई थाना मलवां के साथ 13 फरवरी 2024 को हुई थी। शादी के बाद कीर्ति मेरे भाई और परिवार के लोगों से झगड़ा कर अलग रहने लगी। मेरा भाई हैदराबाद में प्राइवेट नौकरी करता था, इसलिए घर कभी कभी ही आता था। विगत 16 फरवरी को भाई हैदराबाद से घर आया और ससुराल जाकर 22 फरवरी को अपनी पत्नी कीर्ति को लेकर घर आ गया। दोनों के बीच किसी न किसी बात को लेकर झगड़ा होता था, लेकिन 1 मार्च के दिन भाई ने किसी के साथ फोन पर कीर्ति को बात करते पकड़ लिया तो फोन को लेकर विवाद हो गया। उसी के चलते पत्नी से धोखेबाजी मिलने पर 2 मार्च के दिन में जहर खा लिया। जिसकी कानपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही बीती रात मौत हो गई। वही मृतक की पत्नी कीर्ति ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि पति के बड़े भाई नीरज और अनिल के द्वारा आये दिन खेत के बंटवारे को लेकर विवाद किया जाता था। उसी को लेकर 2 मार्च की दोपहर 12 बजे फिर से खेत के बंटवारे को लेकर विवाद हुआ, तो जेठ ने पति को कमरे में बन्दकर जबरन जहर खिला दिया। पति को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गई। वहां से कानपुर मेडिकल कालेज लेकर पहुची तो डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में थाना प्रभारी विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत हुई है। मृतक के भाई ने बताया कि पत्नी किसी से फोन पर बात करती थी। मृतक ने पकड़ लिया था। उसी को लेकर विवाद के बाद यह कदम उठाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच पड़ताल किया जा रहा है।

विजयीपुर ब्लॉक में लगा दिव्यागों का शिविर

संवाददाता

विजयीपुर/फतेहपुर। विकाश खंड विजयीपुर मुख्यालय में सोमवार को एडीप योजना के अंतर्गत दिव्यांगों का चिन्हांकन शिविर लगाया गया। विजयीपुर के ब्लॉक मुख्यालय में सोमवार को एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के दिव्यांग जनों और वृद्धजनों का चिह्नांकन शिविर लगाया गया। इसमें वृद्धजनों की सहायता के लिए ब्लॉक के अधिकारी-कर्मचारियों की टीम लगाई गई। वहीं कानपुर एलिम्को से आई स्वास्थ्य विभाग की टीम लाभार्थियों का परीक्षण कर रही थी। शाम 4 बजे तक 56 लोगों ने पंजीयन कराया । पंजीयन में वयोश्री में 15 तथा अन्य 41 आवेदन हुए रजिस्टर्ड लाभार्थियों को शासन की योजना अनुसार दिव्यांगों के जरूरत अनुसार कृत्रिम अंग सहायक उपकरण दिए जाएंगे। सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस चिन्हांकन शिविर में शाम 4 बजे तक भीड़ बनी रही। खंड विकाश अधिकारी रत्नाकर त्रिपाठी ने बताया कि कुल 56 आवेदन हुए है जिसमें 15 वयोश्री व अन्य 41 आवेदन हुए है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय कम्पोजिट में आयोजित हुई विज्ञान प्रदर्शनी

कानपुर। विकास खंड सरसौल स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय कंपोजिट में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। विद्यालय के प्रधानाध्यापक विजय श्रीवास्तव और ग्राम प्रधान रामकुमार ने मां सरस्वती पूजन और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया वही स्कूली छात्रों ने विज्ञान और गणित से संबंधित स्वनिर्मित मॉडल, चार्ट और पोस्टर प्रदर्शित किए। विज्ञान विषय विशेषज्ञ शिक्षिका वंदना अग्निहोत्री ने कहा कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना और जनमानस को वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति जागरूक बनाना है।राष्ट्रीय आय एवं योग्यता छात्रवृत्ति योजना की परीक्षा में सरसौल के उच्च प्राथमिक कन्या विद्यालय से 7 में से 5 छात्रों ने सफलता प्राप्त की। चयनित छात्र-छात्राएं लालसा मिश्रा, सानिया, खुशबू, अल्शिफा और अमन पाल को कक्षा 9 से 12 तक प्रतिवर्ष 12 हजार रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। व प्रधानाध्यापक विजय श्रीवास्तव ने छात्रों और शिक्षकों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इन नन्हे बच्चों ने अपनी प्रतिभा से साबित कर दिया है कि वे छोटे वैज्ञानिक से कम नहीं हैं। कार्यक्रम में रेखा शर्मा सबानाज ऊषा अमिता कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शांति और शौहर्द के साथ मनाए त्योहार, पीस कमेटी की बैठक हुई संपन्न

संवाददाता

फतेहपुर।रमजान व होली पर्व को देखते हुए सोमवार को असोथर थाने में पर क्षेत्राधिकारी थरियांव प्रभात कुमार तिवारी और थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें काफी संख्या में नगर पंचायत अध्यक्ष, ग्राम प्रधान, संभ्रांत नागरिक व मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। क्षेत्राधिकारी थरियांव प्रभात कुमार तिवारी ने कहा कि त्योहार भाईचारे का प्रतीक है, लोग एक दूसरे से मिलकर खुशी व्यक्त करते हुए एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर गले मिलते हैं, लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा त्योहार में खलल डालने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों को प्रशासन चिन्हित कर रहा है, लेकिन इस तरह के लोगों के बारे में आप लोगों को जानकारी हो तो इसकी सूचना पुलिस को दें। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य ने कहा कि रमजान का पवित्र महीने का शुभारंभ हो गया है और हिन्दू धर्म का होली का त्योहार भी 13 मार्च को है। उपद्रवियों को पहले ही चिन्हित किया जा रहा है, जिसपर प्रशासन की पैनी नजर रहेगी। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर, मछुआ प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शिवबरन निषाद उर्फ त्यागी बाबा, रज्जन शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य/ प्रधान कंधिया भोले पाल, कुलदीप भदौरिया, घनश्याम साहू, मंडल अध्यक्ष राम महेश निषाद, सुखराज निषाद, राकेश चौहान, अल्पसंख्यक मोर्चा से सरवर खान, बफाती, समसुद्दीन, रियाज, बबलू, मेराज सहित नगर पंचायत के सभासद, क्षेत्र के संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

वाहन से साइड लेने में हुआ विवाद, हुई मारपीट,वीडियो वायरल

फतेहपुर। अशोथर थाना क्षेत्र के प्रताप नगर झाल तिराहे पर का एक वीडियो रविवार रात को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में कुछ मनबढ़ युवक मारपीट करते नजर आ रहे है। इस दौरान कुछ लोग पीट रहे युवक को बचाने का भी प्रयास कर रहे है। इधर मारपीट की घटना के चलते कुछ देर के लिए आवागमन ठप हो गया। स्थानीय लोगों की भीड़ को देखते हुए मारपीट करने वाले आरोपी फरार हो गए। क्षेत्र के असोथर नगर पंचायत के प्रताप नगर झाल तिराहे पर बस सवार लोगों ने साइड लेने के चक्कर में एक बोलेरो चालक युवक से कहासुनी हो गई। इसके बाद फतेहपुर शहर के बस में सवार कुछ मनबढ़ युवक बोलोरो वाले से कहासुनी करने लगे। देखते देखते कहासुनी के बाद मारपीट शुरु हो गई। आधा दर्जन से अधिक युवक एक युवक की पिटाई करने लगे। इसी बीच किसी ने सरेराह हो रही इस मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद ज्यादा मामला बिगड़ता देख स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों की भीड़ बढ़ गई। यह देख मारपीट कर रहे आरोपी भाग निकले। हालांकि मारपीट के वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस नहीं पहुंची। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य ने बताया की मारपीट का वीडियो वायरल हो रहा है। अभी किसी पक्ष से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्यवाही की जायेगी।

शाकाहार अपनाने से बदलेगा आपका जीवन- जय गुरुदेव

संवाददाता

बिन्दकी/फतेहपुर। जनपद के गांव कोटरा में सोमवार को जय गुरुदेव सत्संग श्याम दत्त यादव के द्वारा भव्य आयोजन किया गया। सत्संग के बाद भंडारा का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में पहुंचे जय गुरुदेव सत्संग के महाराज का ग्रामीणों द्वारा स्वागत और सत्कार किया गया। सैकड़ों की तादाद में मौजूद ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा, सत्संग वह जल है जहां कौआ स्नान करके हंस बनकर निकलता है। सत्संग से विवेक जाग्रत होता है और मानव जीवन के उद्देश्य का पता चलता है। उन्होंने कहा, जन्म लेने से पहले हम कहां थे, मृत्यु के बाद कहां जाएंगे, और हमारे रिश्तेदार-नातेदार कहां जाएंगे। ये मानव जीवन के जटिल प्रश्न हैं जिनका उत्तर सत्संग में मिलेगा। यह आत्मा-परमात्मा के गूढ़ रहस्य का विज्ञान है। सारी आत्माएँ परमात्मा के देश से आने वाली आकाशवाणी पर उतार कर लाई गई हैं। यहां पैदा होने के बाद आत्मा का सम्बन्ध शब्द से टूट गया और उसे यह बोध नहीं रहा कि हम कहां से आए हैं। आत्मा के कल्याण के लिए प्रभु ने संतों को इस धरा धाम पर भेजा, जिन्होंने गृहस्थ आश्रम में रहकर सुरत शब्द योग (नाम योग) की साधना करके आत्म कल्याण का रास्ता बताया। जब आप इनकी बताई साधना करेंगे तो आपकी दिव्य दृष्टि खुल जाएगी। भंडारे व प्रसाद वितरण में सहयोग करने वाले लोगों में राजेंद्र सिंह, विनीत, आर्यन रविन्द्र सिंह, मोहित सिंह आदि रहे।

थाना सुल्तानपुर घोष के विभिन्न अधिनियम के 334 मालों का हुआ निस्तारण

संवाददाता

सुल्तानपुर घोष/ फतेहपुर। जिला मजिस्ट्रेट के निर्देशानुसार सुल्तानपुर घोष थाना के विभिन्न मामलों के 334 मालों की फोटोग्राफी कराकर निस्तारण कराया गया। पुलिस कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार आज सुल्तानपुर घोष थाना में उपजिलाधिकारी खागा, क्षेत्राधिकारी खागा, शासकीय अधिवक्ता, अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खंड, आबकारी अधिकारी की मौजूदगी में आबकारी अधिनियम के 278,शस्त्र अधिनियम के 14, जुआ अधिनियम के 06, विद्युत अधिनियम के 36 कुल 334 मालो की फोटो ग्राफी कराकर निस्तारण कराया गया। माल निस्तारण में उपजिलाधिकारी खागा, क्षेत्राधिकारी खागा, शासकीय अधिवक्ता, अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खंड, आबकारी अधिकारी , थानाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी व हेडमुहर्रिर मौजूद रहे।

वित्तीय समावेशन संकेतांको की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न

संवाददाता

फतेहपुर । आकांक्षात्मक जनपद फतेहपुर की वित्तीय समावेशन के संकेताकों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह एवं संयुक्त निदेशक, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय भारत सरकार श्रीमती नेहा चौहान की सह अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उन्होंने ऑपरेटिव कासा(चालू/बचत खाते) एवं आधार सीडेड खाते, प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि की समीक्षा किया और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी बैंकर्स से कहा कि जनपद का ऋण जमानुपात बढ़ाने का प्रयास किया जाय एवं जनपद में भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक का ऋण जमानुपात का औसत कम होने पर निर्देश दिए कार्ययोजना बनाकर ऋण जमानुपात बढ़ाये, साथ ही प्रगति रिपोर्ट से भी अवगत कराए। उन्होंने कहा कि

एनपीसीआई लिंकेज कार्य बीसी सखी के माध्यम से सभी बैंक कराने का प्रयास कराए, के लिए शासन स्तर पर पत्राचार करे। उन्होंने कहा कि अटल पेंशन योजना, मुद्रा लोन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, रूपे कार्ड आदि योजनाओं से मिलने लाभों का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाय, साथ ही उक्त योजनाओं में मिलने वाले क्लेम की यथा स्थिति से सभी बैंक अवगत कराए। जनपद फतेहपुर आकांक्षी जनपद होने के कारण वित्तीय समावेशन की निगरानी गंभीरता से की जा रही है इसलिए हम सबको जो आवश्यकता है सुधारात्मक कार्य की को जिम्मेदारी से करे जिससे कि जनपद विकास की मुख्य धारा में आ सके। संयुक्त निदेशक, वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय भारत सरकार ने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना के दस वर्ष पुराने खाते हो गए है कि पुनः ई-केवाईसी अभियान मोड में सभी बैंक कराए साथ ही योजना का प्रचार प्रसार अवश्य करे ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना, एसएलबीसी को-आर्डिनेटर सुमिल पटानी, आरएम बैंक ऑफ बड़ौदा मनोज झा, आरएम बड़ौदा यूपी बैंक प्रदीप ईरा, एलडीएम बैंक ऑफ बड़ौदा गोपाल कृष्णा सहित सभी बैंकों के जिला समन्वयक सहित संबंधित उपस्थित रहे।

चमोली हिमस्खलन में बर्फ से दबकर फतेहपुर के युवक की मौत

⇨ मौसेरे भाई के साथ गया था मजदूरी करने,एक साल पहले हुई थी शादी

संवाददाता

यूपी के फतेहपुर जिले के असोथर थाना क्षेत्र के घनघौल गांव के रहने वाले रामपाल पासवान का बड़ा पुत्र अशोक पासवान मजदूरी करने के लिए उत्तराखंड के चमोली जिला गया था। जहां पर विगत दिनों बर्फ के नीचे दबकर उसकी मौत हो गई थी। जब यह जानकारी मृतक के परिजनों को लगी तो मौके पर कोहराम मच गया। मृतक के शव लेने के लिए परिजन कल रविवार को रवाना हो गए थे। मृतक के पिता रामपाल पासवान ने बताया कि मेरे पास एक दिन पहले फोन आया कि बर्फ के नीचे दबकर बेटे की मौत हो गई है। मेरा बेटा 11 माह पहले मौसेरे भाई अंकित निवासी खम्बापुर थाना राधा नगर फतेहपुर के साथ उत्तराखंड के चमोली जिला गया था। रविवार के दिन हिमस्खलन में बर्फ में दबकर

बेटे की मौत हो गई।मृतक बेटा अशोक की शादी एक साल पहले थरियांव थाना क्षेत्र के हसवा के रहनी वाली प्रियंका के साथ किया था। अभी दो माह पहले मेरी बहु ने एक बच्चा अंश को जन्म दिया है। बेटे के साथ गया मौसेरे भाई अंकित अभी कुछ दिन पहले महाशिवरात्रि पर घर आया था और बेटा ने होली पर घर आने की बात कही थी। खबर लिखे जाने तक मृतक का शव गांव नहीं पहुंचा था। परिजनों के अनुसार सोमवार की देर रात तक शव पहुंचने की बात कही है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्य ने बताया कि मामले की जांच पड़ताल के लिए मृतक के घर गए थे। मृतक का शव देर रात तक आने की संभावना है।

इंस्टाग्राम पर चैट कर शादी का झांसा देने वाला गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना कैसरबाग में 24 दिसंबर को पीड़िता ने एक लिखित तहरीर दी थी जिसमें आरोप लगाया गया कि 25 वर्षी चन्द्रभान आर्या निवासी वाराणसी,ने इंस्टाग्राम पर पीड़िता से संपर्क किया और चैट के जरिए उसे शादी का झांसा दिया। उसने पीड़िता को होटल में मिलने के लिए बुलाया, जहां उसने शादी का वादा करके शारीरिक शोषण किया। जब पीड़िता ने शादी की मांग की, तो अभियुक्त ने अपने वादे से मुकरते हुए शादी करने से इनकार कर दिया। पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना कैसरबाग में मुकदमा पंजीकृत किया गया और पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए एक टीम गठित की। पुलिस टीम ने अथक प्रयासों के बाद अभियुक्त चन्द्रभान आर्या को 02 मार्च 2025 को नई दिल्ली के विजवासन निरूला मार्ग के गिरफ्तार किया। अभियुक्त को अब न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा, और इस मामले में आगे की विधिक कार्यवाही की जाएगी।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने त्योहारों को लेकर दिए निर्देश

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सोमवार को यूपी पुलिस ने रमज़ान और होली जैसे आगामी त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपनी तैयारी तेज कर दी है। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि वे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और एक्स पर 24 घंटे नजर रखें। भ्रामक और असत्य जानकारी फैलाने वाले पोस्ट्स के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा, पुलिस ने यह भी सुनिश्चित किया है कि त्योहारों के दौरान कोई नई परंपरा या गतिविधि न शुरू की जाए जो सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित कर सकती हो। रेलवे ट्रैक से लेकर सोशल मीडिया तक, पुलिस का फोकस रहेगा कि किसी भी तरह की हिंसा या अफवाह फैलाने वाली सामग्री को तुरंत रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाए। इस कदम का उद्देश्य त्योहारों के दौरान शांति बनाए रखना और किसी भी तरह की अनचाही घटना को टालना है।

बिहार के विकास और समृद्धि का बजटः डॉ. अर्जित शाश्वत चौबे

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

भागलपुर। भागलपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ. अर्जित शाश्वत चौबे ने आज बिहार विधानसभा में पेश किए गए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे राज्य के विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि माननीय उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री श्री सम्राट चौधरी जी द्वारा प्रस्तुत ?3.37 लाख करोड़ का बजट बिहार को एक नए युग की ओर ले जाने वाला है। मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और वित्त मंत्री श्री सम्राट चौधरी जी को इस दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बजट के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। साथ ही चौबे ने कहा कि भागलपुर में मौसम वैज्ञानिक केंद्र एवं सुल्तानगंज में एयरपोर्ट का कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ हो इसके लिए भी बजट में राशि को दिया गया यह हम सभी भागलपुर वासियों के लिए गौरव का पल है। डॉ. चौबे ने कहा कि यह बजट राज्य की आर्थिक मजबूती, आधारभूत संरचना विकास, कृषि और उद्योग के विस्तार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन तथा समाज के वंचित एवं पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण का ठोस रोडमैप प्रस्तुत करता है। यह बजट न केवल बिहार की विकास यात्रा को गति देगा, बल्कि राज्य को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि बिहार सरकार की यह प्रतिबद्धता स्पष्ट है कि राज्य केवल आगे नहीं बढ़ेगा, बल्कि विकास और समृद्धि के नए प्रतिमान भी स्थापित करेगा। यह बजट हर बिहारवासी के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगा और बिहार को फसमृद्ध और विकसित राज्यफ के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मायावती नहीं चाहती हैं कि आकाश आनंद बीजेपी पर सीधा हमला बोलें. लोकदल

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ। भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी अहम पदों से हटाए जाने पर लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि मायावती सत्ताधारी पार्टी बीजेपी के दबाव में काम कर रही हैं. आकाश आनंद एक नौजवान नेता है ऐसे में आकाश आनंद बीजेपी पर हमला बोलते हैं तो मायावती असहज हो जाती हैं. मायावती ने एक तरह से खुद को सक्रिय राजनीति से बाहर कर लिया है. मायावती के समर्थकों को भी अहसास हो गया है कि वह अब खुलकर राजनीति नहीं करने वाली हैं.%%मायावती क़रीब 70 साल की हो गई हैं और पार्टी को एक नौजवान नेता चाहिए. ऐसे में आकाश आनंद को भले अभी नेपथ्य में रख रही हैं लेकिन आख़िरकार पार्टी की कमान परिवार के हाथों में ही आएगी.।पार्टी अपना जनाधार वापस पाने के लिए क्या करेगी? मायावती सड़कों पर उतरती नहीं हैं, ऐसे में बीएसपी में भविष्य का नेतृत्व कहा है?

पुस्तक मेला में कृति और कृतिकार संस्था का आयोजन संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पण्डित बृजमोहन अवस्थी की स्मृति और प्रेरणा से फकृति और कृतिकार संस्थाफ लखनऊ के संरक्षक अशोक चौधरी की अध्यक्षता, डॉ. गुणशेखर के मुख्य आतिथ्य की गरिमामई उपस्थिति में अनिल कुमार उपाध्याय के संयोजन में कृति और कृतिकार संवाद - षष्ठम का आयोजन फलखनऊ पुस्तक मेलाफ, रवींद्रालय, चारबाग, लखनऊ के सांस्कृतिक मंच पर सायं संपन्न हुआ। इस बार संवाद (षष्ठम) में वरिष्ठ साहित्यकार दयानन्द पाण्डेय, राष्ट्रवादी चिंतक डॉ. विद्या सागर उपाध्याय, साहित्यकार डॉ. सत्या सिंह, साहित्यकार केवल प्रसाद सत्यम, कवि आशीष कुलश्रेष्ठ , उपन्यासकार सुरभि सिंह एवं कवयित्री रेनू शुक्ला ने अपनी-अपनी कृतियों पर प्रकाश डाला और उन्हें उनकी कृतित्व एवं साहित्यिक सेवाओं के लिए संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। इस आयोजन के सभागार में भारी संख्या में श्रोता उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का सूक्ष्म और सारगर्भित समालोचनात्मक प्रतिवेदन समीक्षक डॉ रिंकी पाठक, जनपद बलिया ने प्रस्तुत की। तथा हमेशा की तरह वार्ताकार/ सूत्रधार के रूप में महेंद्र भीष्म उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों, पत्रकार बंधु और श्रोताओं का साभार धन्यवाद ज्ञापित करके आयोजन को स्थगित किया गया।

नहर पटरी में कच्चा मार्ग होने से किसानों को लगाने पड़ते है 3 किलो मीटर का चक्कर

➲ समाजसेवी अजीत कुमार सैनी ने रेवाड़ी नहर पुल से मकदूसनखेड़ा संपर्क मार्ग तक डामरीकरण मार्ग बनवाने के लिए सीएम योगी आदित्यनाथ को लिखा पत्र।

संवाददाता

फतेहपुर मलवा ब्लाक के ग्राम रेवाड़ी रामगंगा नहर से मकदूसनखेड़ा संपर्क मार्ग तक कच्चा मार्ग होने के कारण खेती करने वाले किसानों को आवागमन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है मार्ग कच्चा होने के कारण किसान साथियों को 3 किलो मीटर लम्बे चक्कर लगाने पड़ते है किसानों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए रेवाड़ी निवासी समाजसेवी भाजपा कार्यकर्ता अजीत कुमार सैनी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर इस मार्ग को बनवाए जाने की मांग किया है। इसके पूर्व में भी समाजसेवी अजीत कुमार सैनी ने सिंचाई विभाग और पंचायती राज विभाग से इस मार्ग को बनवाए जाने के लिए मांग किया था लेकिन दोनों विभागों ने मार्ग को बनवाए जाने पर असमर्थता जाहिर किया है। पंचायती राज विभाग ने अपनी रिपोर्ट में शिकायतकर्ता को

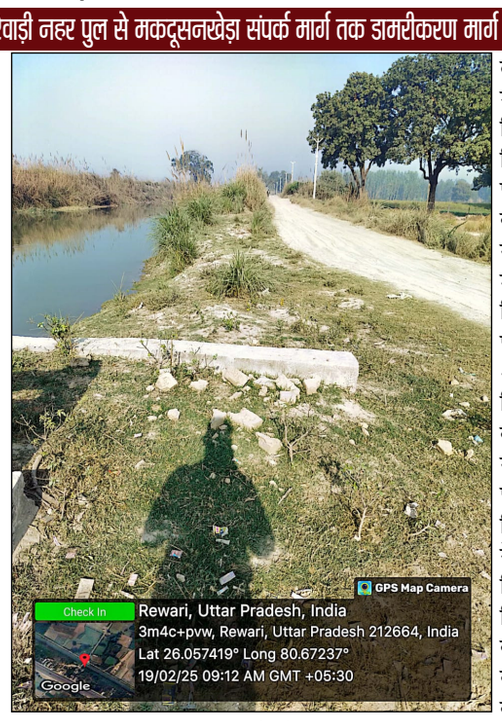

अवगत कराया गया था कि मार्ग की लंबाई 1500 मीटर है जिसका निर्माण ग्राम पंचायत द्वारा करा पाना संभव नहीं है उक्त रोड का निर्माण क्षेत्र पंचायत अथवा सिंचाई विभाग द्वारा ही करा पाना संभव है इसके पश्चात शिकायतकर्ता ने जब सिंचाई विभाग में शिकायत करके रोड को बनवाये जाने की मांग किया तो सिंचाई विभाग ने अपनी रिपोर्ट में असमर्थता जाहिर करते हुए बताया कि विभाग द्वारा पूर्णतया कच्चे मार्ग का नई डामरीकरण अथवा आरसीसी रोड निर्माण का कार्य नहीं कराया जाता है। वहीं किसान पंकज शुक्ला, चुन्नू त्रिवेदी, पप्पू, अमित, आदि ने बताया कि मार्ग कच्चा होने सभी किसान बंधुओं को आवागमन करने पर कठिनाई आती है मार्ग बन जाने से आवागमन सुगम हो जाएगा। शिकायतकर्ता अजीत कुमार सैनी ने बताया कि रामगंगा नहर पटरी रेवाड़ी से मकदूसनखेड़ा मार्ग तक कच्चे मार्ग को बनवाए जाने की मांग पंचायती राज विभाग और सिंचाई विभाग से किया था जिस पर दिनों विभागों ने असमर्थता जाहिर किया। अब पूरी बात माननीय मुख्यमंत्री से पत्र के माध्यम से अवगत कराकर मार्ग को बनवाए जाने की मांग किया है। आवश्यकता पड़ने पर क्षेत्रीय विधायक से भी सभी किसानों के साथ मुलाकात करूंगा।

त्रिवेणी संगम में करीब 3 हजार श्रद्धालुओं ने किया स्नान, श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा में बड़ी उपलब्धि, विधायक ने जताया आभार

उन्नाव। विधायक पंकज गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित श्रवण कुमार तीर्थाटन यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस यात्रा में 2932 श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी संगम में स्नान कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि यह यात्रा सनातन प्रेमी बंधुओं और आचार्यों के आशीर्वाद से सफल रही। उन्होंने बताया कि महाकुंभ के दौरान बुजुर्ग श्रद्धालुओं को संगम तक ले जाना चुनौतीपूर्ण था। मां गंगा, यमुना और सरस्वती की कृपा से यह कार्य पूरा हुआ। बता दे कि यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के मन में श्रद्धा और विश्वास का भाव था। इससे यह यात्रा एक आध्यात्मिक अनुभव बन गई। विधायक ने यात्रा में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों, धार्मिक गुरुओं और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। उन्नाव जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। विधायक ने भविष्य में भी ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया। इस यात्रा की सफलता में मीडिया और सोशल मीडिया का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एसडीएम व सीओ की उपस्थिती में हुई पीस कमेटी की बैठक

संवाददाता

फतेहपुर। थाना सुल्तानपुर घोष में आज सोमवार को उप जिलाधिकारी खागा की अध्यक्षता व क्षेत्राधिकारी खागा की उपस्थिति में त्योहारों के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे थानाध्यक्ष थाना सुल्तानपुर घोष राजेंद्र त्रिपाठी जनपद फतेहपुर द्वारा मय समस्त स्टाफ की मौजूदगी में थाना सुल्तानपुर घोष प्रांगण में क्षेत्र के सभी सम्मानित महानुभावों, व्यापारी भाईयों, पत्रकार साथियों, अधिवक्ता बंधुओं एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति में आगामी त्यौहारों रमजान/ईद/होली/ चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत पीस कमेटी बैठक आयोजित की गई। जिसमें सभी को उच्चाधिकारी गणों के आदेशों-निर्देशों एवं शासन की गाइडलाइन से अवगत कराया गया साथ ही सभी से सौहार्दपूर्ण तरीके से त्यौहार सकुशल सम्पन्न कराने की अपील की गई।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला पहुंचे वृंदावन, जल्द होगी यमुना साफ

संवाददाता

वृंदावन - लोक सभा स्पीकर ओम बिरला एक दिवसीय मथुरा दौरे पर है। सोमवार को वह सर्व प्रथम अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सह परिवार वृंदावन के केशीघाट पर पहुंचे।

जहां उन्होंने वेदपाठी विप्रो के सानिध्य में कालिंदी का पूजन अर्चन कर आरती उतारी। जिसके चलते संपूर्ण परिसर मां यमुना महारानी के जयकारों से गुंजायमान हो गया। पत्रकारों से रूबरू हुए श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने पवित्र धरा पर आकर मां यमुना महारानी का पूजन अर्चन किया है। यमुना की स्वच्छता के लिए व्यापक अभियान चल रहा है,जल्द ही यमुना साफ होगी। इसके बाद श्री बिरला अपने काफिले के साथ बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। जहां सह परिवार ठाकुर बांके बिहारी का पूजन अर्चन किया।इस दौरान सेवायत गोस्वामियों ने उन्हें ठाकुर जी की प्रसादी भेंट की। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस प्रशासन के पुख्ता इंतजाम रहे।

महिला रिक्शा चालक ने पुलिस पर एंट्री के नाम पर पैसे लेने का लगाया आरोप,काटा हंगामा

❑ पेट्रोल डालकर आत्म दाह का करने का किया प्रयास

संवाददाता

वृंदावन – लबे समय से पति की बीमारी से ग्रसित बच्चों का ई – रिक्शा चलाकर पालन पोषण कर रही महिला ने पुलिस पर एंट्री के नाम पैसे मांगने का गंभीर आरोप लगाते हुए पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। जिससे मौके कर अच्छा खासा हंगामा खड़ा हो गया। रविवार को हरिनीकुंज चौराहे पर रिक्शा का संचालन कर रही महिला पुष्पा देवी ने संचालन में व्यवधान उत्पन्न होने पर हंगामा काटते हुए रिक्शा व अपने ऊपर पेट्रोल छीनकर आग लगाने की कोशिश करती नजर आई। जिससे मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों के हाथ पैर फूल गए। सूचना पाकर क्षेत्रीय चौकी शिवकुमार शर्मा भी मौके कर पहुंच गए। इस बीच महिला के हाई बोल्टेज ड्रामे को देख आसपास में खड़े लोग मोबाइलों से महिला का वीडियो बनाने लगे। महिला के हंगामे की वीडियो बनते देख पुलिस कर्मियों ने दबंगई दिखाते हुए लोगों के हाथों से मोबाइल छीनकर वीडियो डिलेट कर दी और महिला के रिक्शे को पंचर कर चलते बने। जिससे महिला आग बबूला हो गई। बांकेबिहारी चौकी इंचार्ज शिवकुमार शर्मा सहित ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाने लगी। इस बीच महिला के समर्थन में आई अन्य महिला रिक्शा चालक भी पुलिस पर एंट्री के नाम पर पैसे लेने का आरोप लगाती नजर आई। इस संबंध में पीड़ित महिला ई रिक्शा चालक पुष्पा ने बताया कि बताया कि वह लंबे समय से बीमार पति की बीमारी के कारण ई रिक्शा चालक अपने दो बच्चों का पालन पोषण कर रही है। रविवार को जब वह ई रिक्शा के हरिनकुंज चौराहे की ओर आई तो ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मी एंट्री के नाम पर उससे 200 रुपए मांगने लगा। जब उसने पैसे देने से इनकार किया तो पुलिस कर्मी ने उसके रिक्शे को पंचर कर दिया। और उससे बदसलूकी करने लगे। जिससे आक्रोशित होकर उसने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया।महिला का आरोप है कि ई रिक्शा के संचालन में उसे लंबे समय से परेशान किया जा रहा है।पति की बीमारी के कारण उसके बच्चों की जीविका चलाने का एक मात्र साधन ई रिक्शा ही है।पीड़ित महिला ने चौकी इंचार्ज सहित पुलिस कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए है।

विश्व प्रसिद्ध बरसाने की होली की तैयारियों के संबंध में तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र एवं मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह ने ली समीक्षा बैठक

● बैठक में जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं एस एस पी शैलेश पांडे समेत जनपद मथुरा के अधिकारी रहे उपस्थित

मथुरा। बरसाना स्थित लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन सभागार में बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लड्डूमार एवं लट्ठमार होली तथा माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा एवं मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, पुलिस उपमहानिरीक्षक / वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह, सचिव अरविंद द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन विजय शंकर दुबे, पुलिस अधीक्षक यातायात मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण त्रिगुण विशेन, उप जिलाधिकारी गोवर्धन नीलम श्रीवास्तव, सीओ गोवर्धन आलोक सिंह, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अजय कुमार, सी.एम.ओ डॉ अजय कुमार वर्मा सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष श्री शैलजा कांत मिश्र जी ने कहा कि पुलिस श्रद्धालु के भाव से ड्यूटी करे। अधिशासी अधिकारी बेहतर साफ सफाई सुनिश्चित करें।।उन्होंने निर्देशित किया कि आवारा पशुओं को पकड़ा जाए, मेला क्षेत्र में अधिकाधिक दिशा सूचक चिन्ह लगाए जाएं, पुलिस अधीक्षक यातायात और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी की संयुक्त टीम सभी पार्किंगों में गाड़ी खड़ी करवाएंगे, कोई भी पार्किंग खाली न रहे, रोड पर गाड़ी खड़ी नहीं होनी चाहिए। सभी गाड़ियां व्यवस्थित रूप से पार्किंग में ही पार्क की जाएं। मंडलायुक्त ने नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि पब्लिक एड्रेस सिस्टम की गुणवत्ता उच्च स्तर की होनी चाहिए। श्रद्धालुओं की सुविधाओं हेतु निरंतन अनाउंसमेंट करते रहे। मंडलायुक्त ने मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष से कहा कि नगर पंचायत बरसाना का सहयोग करते हुए सजावट का कार्य अच्छा कराया जाए। माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रस्तावित कार्यक्रम की रूप रेखा के संबंध में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मंडलायुक्त जी को अवगत कराया।

लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि पार्किंग और मंदिर में बैरिकेडिंग मजबूत बनाई जाए तथा पार्किंगों की रैंप भी अच्छी बनाई जाए। 7 जोन व 18 सेक्टर में मेला की व्यवस्था की गई है, जिसमें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की तैनाती की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने अपने अधीनस्थों से कहा कि मथुरा जनपद में आने वाले श्रद्धालु एक अच्छी छवि लेकर जाएं, सभी पुलिस कर्मी श्रद्धालुओं के विनम्रता के साथ व्यवहार रखेंगे। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह ने अवगत कराया कि बरसाना में सेल्फी प्वाइंट, सांस्कृतिक मंच तथा साज सज्जा की जा रही है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी से कहा कि उत्कृष्ट साफ सफाई सुनिश्चित करे। पानी का छिड़काव शुरू कराया जाए, प्राइवेट डस्टबिन को रास्तों से हटाया जाए तथा रोप वे को सजाया जाए। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने निवेदन किया है कि आगामी दिनों में श्री राधारानी जी मंदिर को दर्शन करने वाले श्रद्धालु एवं पर्यटक जूते चप्पल पहन कर न आए। बैठक के पश्चात् सभी ने हेलीपैड स्थल का निरीक्षण किया। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि हेलीपैड के सभी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए ससमय तैयार किया जाए। हेलीपैड निरीक्षण के बाद सभी ने श्री राधा रानी जी मंदिर का निरीक्षण किया, आवागम मार्गों का जायजा लिया, प्रवेश व निकास द्वारों का अवलोकन किया, सेवायतों से वार्ता की तथा व्यवस्थाओं को सुदृढ़ रखने हेतु अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री राधा रानी जी मंदिर के निरीक्षण के उपरांत सभी ने श्री राधा बिहार इंटर कॉलेज के ग्राउंड में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा आयोजित रंगोत्सव 2025 कार्यक्रम की तैयारियों के कार्यों का अवलोकन किया।

लोडर की टक्कर से बाइक सवार एक की मौत, दूसरा गम्भीर

संवाददाता

फतेहपुर। जिले के औंग थाना क्षेत्र में सोमवार की देर शाम पर कानपुर प्रयागराज नेशनल हाईवे पर एक दर्दनाक हादसा हुआ। औंग थाना क्षेत्र के लोधनपुरवा गांव निवासी रामकुमार उम्र 40 वर्ष पुत्र शिवनंदन लोधी बाइक चालक प्रदीप के साथ सरसौल से वापस आकर चौडगरा जा रहे थे। गोधरौली गांव के समीप एमपी एमएलए फ्लोर मिल के पास उल्टी दिशा से आ रहे जानवर लदे लोडर ने बाइक में टक्कर मार दिया। टक्कर लगते ही मौके पर रामकुमार की दर्दनाक मौत हो गई। बाइक चालक प्रदीप हेलमेंट लगाए था जिससे उसकी जान बच गई।

सोनाली कुलकर्णी

बोलीं- मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

सोनाली कुलकर्णी ने शिमशन कश्मीरश् जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग का दम दिखाया है। इन दिनों वो अपनी वेब सीरीज शऊप्स! अब क्या?श् में को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा- हमारे घर में कभी भी कार नहीं थी, हम सबके पास साइकिल थी और उसी से स्कूल-कॉलेज जाती थी। मुझे अब भी घर, कार से ज्यादा साइकिल होने पर गर्व होता है। सोनाली कुलकर्णी अब शऊप्स! अब क्या?श् को लेकर में चर्चा में हैं उन्हें शिमशन कश्मीरश् में मां का रोल निभाकर मिली नई पहचानउन्होंने कहा- हमारे घर में कभी भी कार नहीं थी। हम सबके पास साइकिल थी करियर के शुरुआत में ही श्दायराश् जैसी फिल्म हो या शिमशन कश्मीरश् में महज 26 साल की उम्र में ऋतिक रोशन की मां का रोल, सोनाली कुलकर्णी उन विरले कलाकारों में से हैं जो प्रयोग करने से जरा नहीं हिचकिचातीं। इन दिनों अपनी वेब सीरीज शऊप्स! अब क्या?श् को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में, नवभारत टाइम्स के ऑफिस आईं सोनाली से हमने विविध पहलुओं पर की खास बातचीतरू आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं? निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। शिमशन कश्मीरश् मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। इस निडरता की एक वजह शुरुआत में गिरीश कर्नाड, जब्बार पटेल, अमोल पालेकर जैसे निर्देशकों के साथ काम करना भी है। उनकी फिल्मों ने मुझे सिखाया, जागरूक किया। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। वरना, तुम्हारा ब्रेसलेट, तुम्हारी ईयररिंग बड़ी सुंदर है कहने वालों के बीच रहेंगे तो इन सुपरफिशियल चीजों पर ध्यान देते रहेंगे। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है। सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है? मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े। अभिनय के अलावा, आपका साइकिलिंग प्रेम भी अक्सर चर्चा में रहता है। उस ओर आपका रुझान कैसे हुआ? स्कूल के जमाने से ही। हमारे घर में कभी भी कार नहीं थी। हम सबके पास साइकिल थी। मैंने पुणे में बहुत साइकलिंग की है। साइकिल से ही स्कूल-कॉलेज जाती थी। मुझे अब भी घर, कार से ज्यादा साइकिल होने पर गर्व होता है। मेरे लिए यह फिटनेस का भी एक टूल है। मैं फिटनेस को भी बहुत महत्व देती हूं। मैं साइकिलिंग के साथ-साथ हफ्ते में तीन दिन फंक्शनल ट्रेनिंग करती हूं। जॉगिंग, वॉकिंग बहुत करती हूं। रोज एक घंटा चलती हूं। डॉक्टर सरिता डावरे मेरी डायट गुरु हैं, उनकी डाय फॉलो करती हूं। कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं? जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं। शाहिद कपूर को लेकर बोली थीं करीना- अंधेरा होने पर हम फिल्म देखने जाते, हम वही करते थे जो एक नॉर्मल कपल करता है एक वक्त था जब शाहिद कपूर और करीना ने एक-दूसरे के लिए अपनी फीलिंग्स का इजहार दुनिया के सामने खुलकर किया था। एक बार करीना कपूर ने श्कॉस्मोपॉलिटनश् को दिए एक थ्रोबैक इंटरव्यू में शाहिद कपूर के साथ अपने रिलेशनशिप पर बातें की थीं। उस दौर में करीना शाहिद से कनेक्टेड थीं और कहा था, श्हम वही सब करते हैं जो कोई नॉर्मल यंग कपल करते हैं, बाहर खाना खाना, फिल्में देखना...मुझे फिल्में देखने बहुत पसंद है।श् उन्होंने आगे कहा था, श्जब हमें मौका मिलता है तो हम फेम एड लैब्स में फिल्म देखने जाते हैं, फिल्म शुरू होने के बाद अंधेरा होने पर हम चुपचाप वहां अंदर पहुंच जाते हैं।श् करीना ने तब शाहिद के साथ आउटिंग पर बातें करते हुए कहा था, श्ये मजेदार है और बहुत ही रिलैक्सिंग...शाहिद के साथ रहने में मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है। मैं नॉर्मल हो जाती हूं और नॉर्मल चीजें करती हूं।श् वहीं शाहिद और करीना के ब्रेकअप को लेकर श्जब वी मेटश् में अंशुमन का रोल निभा चुके तरुण राज अरोड़ा ने कुछ किस्सा सुनाया था। उन्होंने कहा था कि उनके रिश्ते में इस मुश्किल वक्त का असर शूटिंग पर बिल्कुल नहीं पड़ा था, लेकिन मैंने नोटिस किया था कि चीजें थोड़ी अजीब हो गई थीं। उन्होंने कहा था, श्जब आपके आसपास सेट पर कोई कपल होता है तो आप उम्मीद करते हैं कि वे थोड़े प्यार-प्यार से और खुश रहेंगे।श् तरुण ने कहा था, श्लेकिन वहां माहौल में बेचैनी थी। हालांकि, मुझे लगा कि वे सीरियस एक्टर हैं और उन्होंने अपने पर्सनल समीकरण का असर अपने काम पर नहीं पड़ने दिया।श् श्जब वी मेटश् के सेट का माहौल बताते हुए उन्होंने कहा कि सेट पर शाहिद और करीना एक-दूसरे के साथ मजाक भी नहीं करते थे। सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है? सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है (हंसती हैं)। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।

एक्टर अमन वर्मा और उनकी पत्नी वंदना लालवानी तलाक लेने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले कुछ समय से अमन और वंदना के बीच कुछ भी ठीक नहीं है। दोनों ने कई बार सुलह करने की कोशिश की, लेकिन हालात में सुधार नहीं हुआ। दोनों ने फैमिली प्लानिंग की पहल भी की, लेकिन फिर भी आपसी मतभेद दूर नहीं हुए। आखिरकार, वंदना ने कोर्ट में तलाक की अर्जी दे दी। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, जब एक न्यूज एजेंसी ने अमन से इस मुद्दे पर बात करनी चाही तो उन्होंने कहा- अभी कोई कमेंट नहीं। मुझे जो कुछ कहना होगा वह मेरे वकील के माध्यम से सही समय पर बता दिया जाएगा। उधर वंदना ने भी इस मुद्दे पर कोई बयान नहीं दिया है। टीवी शो की शूटिंग के दौरान मिले थे अमन-वंदना अमन और वंदना की पहली मुलाकात 2014 में टीवी शो हम ने ली है-शपथ की शूटिंग के दौरान हुई थी। चंद मुलाकातों के बाद दोनों ने 2015 में सगाई और 2016 में शादी कर ली थी। अमन ने कहा था- वंदना से मुझे कोई शिकायत नहीं है कुछ साल पहले अमन ने कहा था- शादी ने मुझे एक इंसान के तौर पर बदल दिया है। मैं शांत हूं और किसी भी स्थिति को उस अग्रेशन के साथ नहीं देखता हूं, जैसे पहले देखता था। मेरे लिए शादी एक बड़ा स्टेप है क्योंकि इससे पहले कई सालों तक मैं अकेला रहा हूं। मैंने पहले ही डिसाइड किया था कि शादी तभी करूंगा जब सही इंसान मिलेगा। अब 6 साल हो गए हैं और मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैं वंदना के साथ लाइफको एन्जॉय कर रहा हूं। यह बातें अमन ने टाइम्स ऑफइंडिया के इंटरव्यू में कही थीं।अमन और वंदना का करियर अमन वर्मा को क्योंकि श्सास भी कभी बहू थीश, श्खुलजा सिम सिमश, श्कुमकुमश् और श्ना आना इस देश में लाडोश् जैसे टीवी शोज के लिए जाना जाता है। वहीं उन्होंने श्अंदाजश, श्बागबानश, श्तीस मार खानश् जैसी फिल्मों में भी काम किया है। अमन बिग बॉस-9 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आए थे। वहीं, वंदना ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने श्बॉम्बेश् और श्याद रखेगी दुनियाश् जैसी फिल्मों में काम किया है। वे श्बुद्ध- राजाओं का राजाश् और श्बाबुल की बिटिया चली डोली सजाश् जैसे टीवी शोज का हिस्सा रही हैं।

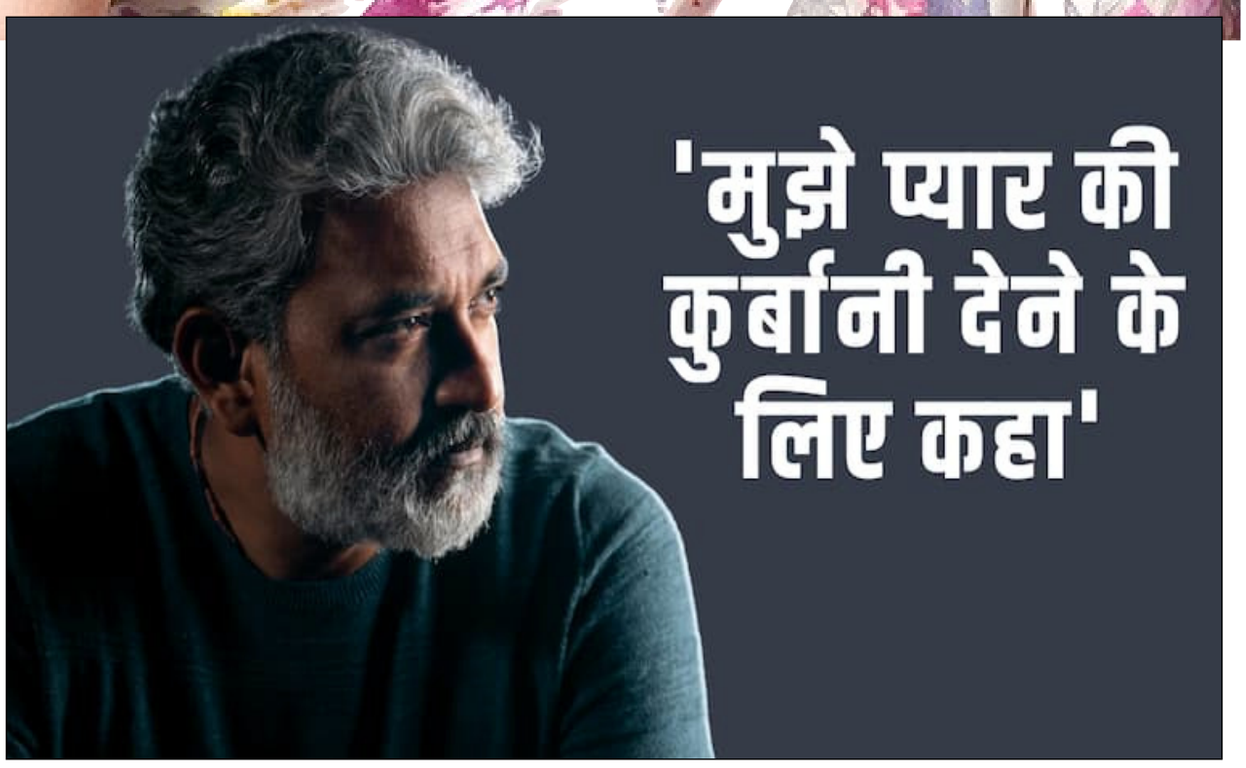

दिग्गज फिल्म मेकर एसएस राजामौली पर उनके दोस्त और प्रोड्यूसर उप्पलापति श्रीनिवास राव ने टॉर्चर करने का आरोप लगाया है. माना स्टार्स ने वीडियो पोस्ट किया है जिसमें उप्पलापति श्रीनिवास ने कहा कि वे सुसाइड करने जा रहे हैं और इसके जिम्मेदार एसएस राजामौली हैं. प्रोड्यूसर ने आरोप लगाया कि एक महिला के लिए राजामौली ने उनपर काफी जुल्म किए हैं. हिंदुस्तान टाइम्स के मुताबिक श्रीनिवास ने अपना एक वीडियो बनाकर एक लेटर के साथ मेट्टू पुलिस स्टेशन को जिसे बिग टीवी ने एक्सेस किया. श्रीनिवास ने इस वीडियो में कहा- श्भारत के नंबर वन डायरेक्टर, एसएस राजामौली और रामा राजामौली, मेरे सुसाइड के जिम्मेदार हैं. आपको लग सकता है कि मैं पब्लिसिटी के लिए ऐसा कर रहा हूं, लेकिन ये मेरा आखिरी लेटर है.श् श्अपने प्यार का त्याग करने के लिए कहाश् श्रीनिवास ने आगे कहा- श्एमएम कीरवानी से लेकर चंद्रशेखर येलेटी और हनु राघवपुडी तक सभी जानते हैं कि मैं सालों से राजामौली के कितने करीब हूं. मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक महिला हमारे बीच आ सकती है. उसने मुझसे उसके लिए अपने प्यार का त्याग करने के लिए कहा, और मैं पहले सहमत नहीं था, लेकिन बाद में मैंने ऐसा किया. उसे लगा कि मैंने इस बारे में लोगों को बता दिया है और जब हम बहस में पड़ गए तो उसने मुझे टॉर्चर करना शुरू कर दिया.श् राजामौली पर लगाया जिंदगी तबाह करने का आरोप प्रोड्यूसर ने राजामौली पर आरोप लगाया- श्हमने यामाडोंगा (2007) तक साथ काम किया, लेकिन उसके बाद उसने मेरी जिंदगी बर्बाद कर दी. जब से वो बड़ा आदमी बना है, उसने मुझे बहुत टॉर्चर किया है. मैं 55 साल का हूं और अकेले ही जिंदगी जी रहा हूं.श

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला, जानें दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा। ये मैच तय करेगा कि सेमीफाइनल मुकाबला किन दोनों टीमों के बीच खेला जाएगा। अगर भारत जीती तो उसका सामना ग्रुप बी की नंबर 2 टीम से होगा जबकि हारने पर उसे टॉप टीम से भिड़ना होगा।

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 2 मार्च को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मुकाबला खेला जाएगा। ये मैच तय करेगा कि सेमीफाइनल मुकाबला किन दोनों टीमों के बीच खेला जाएगा। अगर भारत जीती तो उसका सामना ग्रुप बी की नंबर 2 टीम से होगा जबकि हारने पर उसे टॉप टीम से भिड़ना होगा। लेकिन उससे पहले दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड पर एक नजर डालते हैं। अभी तक चौंपियंस ट्रॉफी में सफर की बात करें तो न्यूजीलैंड ने पहले पाकिस्तान और फिर बांग्लादेश को शिकस्त दी। भारत ने पहले बांग्लादेश और फिर पाकिस्तान को हराया। दोनों मैच जीतने में ना भारत को और ना ही न्यूजीलैंड को कोई समस्या आई। भारत और न्यूजीलैंड के 4-4 अंक हैं लेकिन अच्छी नेट रन रेट के चलते न्यूजीलैंड ग्रुप ए की अंक तालिका में टॉप पर है। हेट टू हेड रिकॉर्ड वहीं वनडे में भारत और न्यूजीलैंड एक दूसरे के खिलाफ 118 मैच खेल चुकी है। इसमें भारत का पलड़ा भारी है। 60 बार भारत जीती है जबकि 50 बार न्यूजीलैंड ने बाजी मारी है। 2 मार्च को होने वाला मैच न्यूट्रल वेन्यू यानी दुबई में खेला जाएगा। इससे पहले दोनों टीमें 21 बार न्यूट्रल वेन्यू पर टकराई हैं। इसमें न्यूजीलैंड थोड़ी हावी रही है। 16 बार न्यूजीलैंड और 15 बार टीम इंडिया जीती है। पिछले 10 मैचों के आंकड़े देखें तो भारत काफी आगे नजर आती है। पिछले 10 मैचों में 5 बार भारत और 3 बार न्यूजीलैंड जीती है, 2 बेनतीजा रहे। हालांकि, इसमें सभी मैच भारत अपने होम ग्राउंड पर जीती थी। वहीं कीवी टीम के लिए चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में इस समय टॉप रन स्कोर टॉम लैथम है। जिन्होंने 2 मैचों में कुल 173 रन बनाए हैं। भारत के लिए शुभमन गिल के नाम सबसे ज्यादा रन हैं। गिल ने 2 मैचों में 147 रन बनाए हैं। टॉप विकेट टेकर की बात करें तो शमी 2 मैचों में 5 विकेट के साथ भारत के लिए टॉप विकेट टेकर हैं। उन्होंने सभी 5 विकेट बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में लिए थे। न्यूजीलैंड के लिए माइकल ब्रेसवेल टॉप विकेट टेकर हैं, जिन्होंने भी 2 मैचों में 5 विकेट चटकाए हैं।

रोहित को भारतीय टीम में होना ही नहीं चाहिए

अब टीएमसी नेता के बिगड़े बोल, कांग्रेस ने पल्ला झाड़ा

कोलकाता/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शमा ने अपने पोस्ट में कहा था कि रोहित शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्होंने यह भी कहा था, श्उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।श् भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद की टिप्पणी पर जमकर बवाल मचा हुआ है। कांग्रेस ने अपने प्रवक्ता के रोहित के वजन पर दिए गए बयान से पल्ला झाड़ते हुए उन्हें ट्वीट हटाने को कहा। इस पर शमा मोहम्मद ने अपने आलाकमान की बात मानते हुए तत्काल श्एक्सश् से अपनी पोस्ट हटा भी ली। बीसीसीआई ने भी बयान को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। हालांकि, मामला यहां खत्म होता दिखाई नहीं दे रहा है। अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय ने कहा, श...कांग्रेस नेता ने जो कहा है, वह सही है। रोहित शर्मा को टीम में होना ही नहीं चाहिए।श् इससे पहले कांग्रेस प्रवक्ता ने दी सफाई इससे पहले रोहित पर टिप्पणी पर कांग्रेस नेता शमा मोहम्मद ने सफाई दी। उन्होंने कहा, श्यह एक खिलाड़ी की फिटनेस के बारे में एक सामान्य ट्वीट था। यह बॉडी शेमिंग नहीं था। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि एक खिलाड़ी को फिट रहना चाहिए और मुझे लगा कि उसका वजन थोड़ा ज्यादा है, इसलिए मैंने बस उसके बारे में ट्वीट किया। मुझ पर बिना किसी कारण के हमला किया गया। जब मैंने पिछले कप्तानों से उनकी तुलना की, तो मैंने एक बयान दिया। मुझे अधिकार है। कहने में क्या गलत है? यह लोकतंत्र है।श् कांग्रेस प्रवक्ता ने क्या कहा था? शमा ने अपने पोस्ट में कहा था कि रोहित शर्मा एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं। उन्होंने यह भी कहा था, श्उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ... और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।श् कांग्रेस ने झाड़ा पल्ला आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने अपनी प्रवक्ता को जमकर फटकार लगाई और आगे से ऐसी टिप्पणियों से बचने की नसीहत दी। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है। खेड़ा ने कहा, श्भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस खेल के नायकों के योगदान को सर्वोच्च सम्मान देती है और उनकी विरासत को कमजोर करने वाले किसी भी बयान का समर्थन नहीं करती।श् बीसीसीआई ने भी की निंदा मामले में ठब्ब्प् सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे कप्तान के लिए इस तरह की टिप्पणी एक ऐसे व्यक्ति की ओर से आई है जो एक जिम्मेदार पद पर है, खासकर ऐसे समय में जब टीम इंडिया एक प्ब्ब् टूर्नामेंट खेल रही है और टीम सेमीफाइनल मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। भाजपा-शिवसेना ने किया पलटवार भाजपा नेताओं सहित कई लोगों मामले में कांग्रेस नेता की आलोचना की और मुख्य विपक्षी दल को निशाने पर लिया। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्जो लोग राहुल गांधी की कप्तानी में 90 चुनाव हार चुके हैं, वे रोहित शर्मा की कप्तानी को अप्रभावी बता रहे हैं। दिल्ली में छह बार शून्य पर आउट होना और 90 बार चुनावी हार प्रभावशाली है, लेकिन टी20 विश्व कप जीतना नहीं! वैसे, कप्तान के रूप में रोहित का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है।श् भाजपा नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, श्यह बहुत शर्मनाक है कि कांग्रेस की एक आधिकारिक प्रवक्ता इस तरह का बयान दे रही है। यह कांग्रेस का बयान है। उन्हें लगता है कि केवल एक ही व्यक्ति हर चीज के लिए उपयुक्त है और वह हैं राहुल गांधी।श् उन्होंने कहा, श्वे देश के इतने खिलाफ हो चुके हैं कि आज हमारे देश के क्रिकेट कप्तान के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि उनका इससे क्या मतलब है। यह वाकई शर्मनाक है और मैं इसकी निंदा करता हूं। पूरा देश कांग्रेस की मानसिकता देख रहा है।श् शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, श्मैं कोई बड़ी क्रिकेट प्रशंसक नहीं हूं। खेल में मेरी सीमित रुचि के बावजूद, मैं कह सकती हूं कि रोहित शर्मा ने भारतीय टीम को महान ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। काम के प्रति प्रतिबद्धता मायने रखती है। ट्रॉफी जीतो, चौंपियन!

विराट कोहली ने अपने नाम की एक और बड़ी उपलब्धि, वनडे में 300वां मैच खेलने वाले सातवें भारतीय बने

खिलाड़ी	मैच	रन
सचिन तेंदुलकर	463	18426
महेंद्र सिंह धोनी	347	10599
राहुल द्रविड़	340	10768
मोहम्मद अजहरुद्दीन	334	9378
सौरव गांगुली	308	11221
युवराज सिंह	301	8609
विराट कोहली	300*	14096*

दुबई। कोहली से पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम दर्ज है। उन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चौंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। यह कोहली के वनडे करियर का 300वां मुकाबला है। इसी के साथ वह पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने करियर में इतने वनडे मैच खेले हैं। ऐसा करने वाले सातवें भारतीय बने कोहली कोहली से पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का नाम दर्ज हैं। उन्होंने 463 मैचों में 18426 रन बनाए हैं। दूसरे पायदान पर महेंद्र सिंह धोनी हैं जिन्होंने 347 वनडे में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राहुल द्रविड़ (340) तीसरे, मोहम्मद अजहरुद्दीन (334) चौथे, सौरव गांगुली (308) पांचवें और युवराज सिंह (301) छठे पायदान पर मौजूद हैं। अब इस एलीट सूची में कोहली का नाम भी जुड़ गया है। खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने कोहली को दी बधाई कोहली को 300वां वनडे खेलने पर साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने बधाई है। भारतीय टीम में उनके साथी श्रेयस अय्यर, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव ने कोहली को बधाई संदेश भेजा। वहीं, प्रशंसकों ने भी इस उपलब्धि के लिए अपने पसंदीदा खिलाड़ी को बधाई दी। कोहली से पहले 21 बल्लेबाजों ने किया यह कारनामा विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इस मैच से पहले अपने अब तक के करियर में 299 वनडे मैच खेले थे। इनमें उन्होंने 136 के स्ट्राइक रेट और 58.20 के औसत से 14085 रन बनाए हैं। कोहली पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में वनडे में 14000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बने थे। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत का दबदबा है। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर दुनिया में सबसे ज्यादा वनडे मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। कोहली से पहले 21 खिलाड़ियों ने वनडे में 300 से ज्यादा मुकाबले खेले हैं। वनडे में शानदार है कोहली का रिकॉर्ड कोहली का वनडे प्रारूप में शानदार रिकॉर्ड है। उन्होंने इस प्रारूप में अब तक 51 शतक लगाए हैं जो दुनिया के किसी भी बल्लेबाजों द्वारा सर्वाधिक है। उन्होंने इस मामले में सचिन को पीछे छोड़ा था जिन्होंने अपने करियर में 49 वनडे शतक लगाए थे। इस प्रारूप में न्यूनतम 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में कोहली का औसत सभी से बेहतर है। कोहली का औसत 58.2 है। वहीं, कोहली ने आईसीसी के वनडे टूर्नामेंट में कुल 23 बार 50 स्कोर बनाया है जो संयुक्त रूप से सर्वाधिक है। कोहली के नाम वनडे में सबसे तेज 8000, 9000, 10000, 11000, 12000, 13000 और 14000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड है।

शेफाली की विस्फोटक पारी से आरसीबी की हार का सिलसिला टूटा

शेफाली वर्मा (नाबाद 80 रन) और जेस जोनासेन (नाबाद 61 रन) के विस्फोटक अर्धशतकों से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 27 गेंद रहते नौ विकेट से हराकर जीत की लय जारी रखी। दोनों ने महज 77 गेंद में 146 रन की अटूट साझेदारी निभाकर आसान जीत दिलाई।

बेंगलुरु । दिल्ली कैपिटल्स ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (नाबाद 80 रन) और जेस जोनासेन (नाबाद 61 रन) के विस्फोटक अर्धशतकों से शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) टी20 मैच में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 27 गेंद रहते नौ विकेट से हराकर जीत की लय जारी रखी। पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को नौ विकेट से करारी शिकस्त देने वाली दिल्ली कैपिटल्स के लिए शेफाली और जोनासेन ने दूसरे विकेट के लिए महज 77 गेंद में 146 रन की अटूट साझेदारी निभाकर आसान जीत दिलाई। शेफाली ने अपनी तेज तर्रार पारी के लिए 43 गेंद खेली जिसमें आठ चौके और चार छक्के जड़े थे। वहीं जोनासेन ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 38 गेंद में नौ चौके और एक छक्के से नाबाद 61 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान मेग लैनिंग (02) के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया। आरसीबी ने एलिस पैरी (नाबाद 60 रन) की अर्धशतकीय पारी से पांच विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा किया। दिल्ली कैपिटल्स ने शेफाली और जोनासेन की मदद से यह लक्ष्य 15.3 ओवर में एक विकेट पर 151 रन बनाकर हासिल कर लिया। इस तरह आरसीबी का हारने का सिलसिला जारी रहा, यह उसकी लगातार चौथी शिकस्त है। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद पैरी ने आरसीबी को शुरूआती झटकों से उबारते हुए सत्र का चौथा अर्धशतक जड़ा। उन्होंने 47 गेंद में तीन छक्के और इतने ही चौके से 60 रन की पारी खेली। पैरी के अलावा राघवी बिष्ट ने 33 रन का योगदान दिया जिसके लिए उन्होंने 32 गेंद में दो छक्के जमाये। आस्ट्रेलिया की अनुभवी खिलाड़ी पैरी ने इंग्लैंड की डानी वाट होज (21 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 44 रन और राघवी के साथ 68 रन की साझेदारी निभाकर आरसीबी की पारी मजबूत की। इस पारी से पैरी इस साल की डब्ल्यूपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई, उन्होंने छह मैच में 98.33 के औसत से 295 रन बना लिए हैं। डानी वाट होज ने एक छक्के और दो चौके से 18 गेंद में 21 रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स के लिए शिखा पांडे और श्री चरानी ने 28-28 रन देकर दो दो विकेट झटके। मारिजाने काप ने नयी गेंद से कसी गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर एक विकेट लिया।

प्राग मास्टर्स में प्रज्ञानानंदा ने पहली जीत दर्ज की, अरविंद ने एकल बढ़त हासिल की

प्राग । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चेक गणराज्य के एनगुयेन थाई डाई वान के खिलाफ आसान जीत दर्ज की जबकि हमवतन अरविंद चितंबरम ने प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चीन के शीर्ष वरीय वेई यी को हराकर एकल बढ़त हासिल की। टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में से एक प्रज्ञानानंदा ने 14वीं चाल में यह प्रभावशाली जीत दर्ज की। पहले दो दौर में दो ड्रॉ खेलने के बाद उनके लिए यह जीत अहम रही। उन्होंने अपने प्रदर्शन के बारे में कहा, ''कल (दूसरा दौर) कुछ खास नहीं था। पहले दौर में मेरी स्थिति अच्छी थी। '' प्रज्ञानानंदा की यह पहली जीत रही जबकि हमवतन अरविंद चिथमबरम लाइव रेटिंग में दुनिया के शीर्ष 20 खिलाड़ियों में प्रवेश करने के बाद पहली बार एलीट टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। अरविंद के इस जीत से तीन में से 2.5 अंक हो गए। वहीं अमेरिका के सैम शंकलैंड को जर्मनी के विंसेंट कीमर से हार मिली। प्रज्ञानानंदा और कीमर दो दो अंक लेकर संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। वियतनाम के क्वांग लीम ले, चेक गणराज्य के डेविड नवारा, हॉलैंड के अनीश गिरी और शंकलैंड संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं, ये डाई वान और तुर्किये के गुरेल एडिज से आधा अंक आगे हैं। शीर्ष वरीय वेई यी 10 खिलाड़ियों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर हैं। राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट में अभी छह दौर बाकी हैं। साथ ही खेले जा रहे चौलेंजर्स वर्ग में दिव्या देशमुख को तीन दिन में दूसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें उज्बेकिस्तान की नोडिरबेक याकुबबोव से हार मिली।

गुकेश करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंचे, प्रज्ञानानंदा की शीर्ष 10 में वापसी

नयी दिल्ली । मौजूदा विश्व चौंपियन भारत के डी गुकेश पिछे की जारी नवीनतम क्लासिकल रेटिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग पर पहुंच गए, जबकि हमवतन आर प्रज्ञानानंदा फिर से शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। गुकेश दिसंबर में सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर विश्व खिताब जीतने के बाद से शानदार फॉर्म में चल रहे हैं।18 साल के इस खिलाड़ी ने इस दौरान 10 रेटिंग अंक हासिल किए हैं। अब उनके नाम कुल 2787 रेटिंग अंक हो गये हैं। गुकेश हाल ही में विज्क आन जी में टाटा स्टील मास्टर्स को टाईब्रेक में प्रज्ञानानंदा से हार गए थे। वह रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज हिकारू नाकामुरा (2802) से 15 अंक पीछे हैं। नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन (2833) दुनिया में शीर्ष रैंकिंग के शतरंज खिलाड़ी बने हुए हैं। गुकेश ने इस रैंकिंग में हमवतन अर्जुन एरिगैसी और अमेरिका के फैबियानो कारूआना को पीछे छोड़ दिया है। एरिगैसी इससे पहले लंबे समय तक शीर्ष रैंक वाले भारतीय थे। वह 2777 की रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए हैं। प्रज्ञानानंद टाटा स्टील मास्टर्स में जीत से पिछले साल जुलाई के बाद पहली बार शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रहे। मौजूदा समय में प्राग मास्टर्स में खेल रहा यह भारतीय खिलाड़ी 17 रेटिंग अंक हासिल कर कुल 2758 रेटिंग अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंचने में सफल रहा। कोनेरू हम्पी 2528 रेटिंग के साथ महिलाओं की सूची में छठे नंबर पर शीर्ष 10 में एकमात्र भारतीय हैं। आर वैशाली (2484) और हरिका द्रोणावल्ली (2483) क्रमशः 14वें और 16वें स्थान पर हैं। फिडे रेटिंग, लाइव ईएलओ रेटिंग से अलग होती है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' को समर्थन देने का नीरज चोपड़ा ने लिया संकल्प

नयी दिल्ली । दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने सरकार के 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान को समर्थन देने का संकल्प लिया और कहा कि इस पहल से लोगों को सिर्फ अपनी फिटनेस सुधारने में ही मदद नहीं मिलेगी बल्कि वे प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी योगदान करेंगे। भाला फेंक सुपरस्टार ने लोगों से हर रविवार को समय निकालकर इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया। चोपड़ा ने मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा, ''नमस्ते 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अपनी फिटनेस सुधारने और प्रदूषण को नियंत्रित करने में योगदान देने का एक शानदार तरीका है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहूंगा कि अगर आप हर दिन समय नहीं निकाल पा रहे हैं तो कृपया हर रविवार को साइकिल चलाएं। '' साइकिलिंग अभियान की शुरुआत पिछले साल 17 दिसंबर को खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 'फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज' और प्रदूषण का समाधान खोजने के समग्र उद्देश्य के साथ की थी। इस सप्ताहांत की साइकिलिंग पहल की थीम मोटापे से लड़ना है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अब तक 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' का आयोजन देश भर में 4200 से अधिक स्थानों पर किया जा चुका है जिसमें दो लाख से अधिक व्यक्तियों ने भाग लिया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बाहर हो सकते हैं मोहम्मद शमी, इस खिलाड़ी को मिल सकता है मौका

टीम इंडिया प्रबंधन रविवार, 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के मैच में मोहम्मद शमी की जगह अर्शदीप सिंह को मौका दे सकता है। न्यूजीलैंड की टीम में पांच बाएं बल्लेबाजों की मौजूदगी और पाकिस्तान के खिलाफ मोहम्मद शमी को आई हल्की चोट के कारण टीम मैनेजमेंट ये फैसला कर सकता है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच ये मुकाबला चौंपियंस का आखिरी लीग मैच है।

एक घरेलू सत्र में सर्वाधिक शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बने करुण नायर

नागपुर। विदर्भ के अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर इन दिनों रणजी ट्रॉफी में धमाल मचा रहे हैं। नागपुर में केरल के खिलाफ जारी इस मुकाबले में चौथे दिन उन्होंने शतक जड़ा और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह एक घरेलू सत्र में सर्वाधिक शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए।

हॉकी इंडिया ने सीनियर महिला राष्ट्रीय चौंपियनशिप में 'प्रमोशन' और 'रेलीगेशन' प्रणाली शुरू की

सीनियर महिला राष्ट्रीय चौंपियनशिप के लिए प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली के साथ शुक्रवार को यहां एक नया प्रारूप पेश किया। प्रतियोगिता में 28 टीमें भाग लेंगी जो 'ए', 'बी' और 'सी' नामक तीन डिवीजन में विभाजित होंगी।

हॉकी इंडिया ने एक से 12 मार्च तक पंचकूला में होने वाली सीनियर महिला राष्ट्रीय चौंपियनशिप के लिए प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली के साथ शुक्रवार को यहां एक नया प्रारूप पेश किया। प्रतियोगिता में 28 टीमें भाग लेंगी जो 'ए', 'बी' और 'सी' नामक तीन डिवीजन में विभाजित होंगी। नए प्रारूप का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है जिसमें टीमों को उनके प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष डिवीजन तक पहुंचने (प्रमोशन) या निचली डिवीजन में खिसकने (रेलीगेशन) का प्रावधान होगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, '' प्रमोशन और रेलीगेशन प्रणाली की शुरुआत देश भर में हॉकी प्रदर्शन के स्तर को ऊपर उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने कहा, ''इस प्रणाली में चौंपियनशिप में हर मैच का महत्व सुनिश्चित होगा चाहे वह खिताब के लिए मुकाबला हो या रेलीगेशन से बचने के लिए। हम एक रोमांचक टूर्नामेंट की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां टीमें अपने कौशल का प्रदर्शन कर सकें और शीर्ष पर पहुंचने का लक्ष्य रखें। शीर्ष 12 टीमें डिवीजन ए में प्रतिस्पर्धा करेंगी जिन्हें आगे तीन-तीन टीमों के चार पूल में विभाजित किया जाएगा और वे अपने-अपने पूल के भीतर लीग प्रारूप में खेलेंगे। प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें नौ मार्च को होने वाले क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। उसके बाद 10 मार्च को सेमीफाइनल और 12 मार्च को फाइनल के साथ तीसरे तथा चौथे स्थान का प्लेऑफ मैच होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।